कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 371, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 06 फरवरी 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

राष्ट्रपति के आमंत्रण पर सीजेआई चंद्रचूड़ पहुंचे अमृत उद्यान

सुप्रीम कोर्ट के सभी जज भी मौजूद रहे, यहां आम लोग भी जा सकते हैं

नई दिल्लीः रविवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के आमंत्रण पर चीफ जस्टिस डॉ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने राष्ट्रपति भवन का दौरा किया। उन्होंने वहां अमृत उद्यान देखा। ट्वीटर पर इस दौरे के फोटो जारी किए गए। जिसमें राष्ट्रपति के साथ डी.वाई. चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट के जज नजर आए। राष्ट्रपति ट्वीटर हैंडल से किए गए ट्वीट में लिखा, "राष्ट्रपति के विशेष आमंत्रण पर भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ समेत सुप्रीम कोर्ट के जजों ने राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान का दौरा किया।" हाल ही में सरकार ने राष्ट्रपति भवन के 'मुगल गार्डन' का नाम बदलकर हाल ही में 'अमृत उद्यान' किया है। राष्ट्रपति भवन की डिप्टी प्रेस सैक्रेट्री नविका गुप्ता ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन में आम लोगों की पहुंच को आसान बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। यहां जाने के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन टिकट की व्यवस्था की गई है। यह पूरी तरह फ्री है। राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 12 के पास स्वयं सेवा कियोस्क पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसमें एक व्यक्ति के पंजीकरण पर 10 लोगों के लिए टिकट लिए जा सकते हैं। ऑनलाइन टिकट नहीं नहीं पाने लोग यहां गेट नंबर 35 पर मशीन से टिकट ले सकते हैं। विजिटर्स की मदद के लिए वनस्पति विज्ञान की पढाई करने वाले छात्र भी लोगों को पौधे के बारे में बताने में मदद करेंगे। प्रत्येक दिन 20 गाइड उद्यान में जगह-जगह मौजूद रहेंगे। अमृत उद्यान में कैमरा खाने-पीने का सामान ले जाने की मनाही है।

आम लोगों के लिए भी खोला गया अमृत उद्यानः आजादी का अमृत महोत्सव के तहत उद्यान को आम लोगों के लिए 31 जनवरी से 26 मार्च तक के लिए खोला गया है। डिफेंस मिलिट्री जवान, पुलिस, दिव्यांग, किसान और स्व सहायता समूह की महिलाएं यहां आकर घूम सकेंगी। 26 मार्च के बाद अमृत उद्यान सिर्फ विशेष लोगों के लिए खुला रहेगा। अमृत उद्यान में ईस्ट लॉन, सेंट्रल लॉन, लॉन्ग गार्डन और सर्कुलर गार्डन शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपतियों डॉ ए पी जे अब्दुल कलाम और रामनाथ कोविंद के कार्यकाल के दौरान, हर्बल-एक, हर्बल-दो, बोन्साई गार्डन और आरोग्य वनम नामक कई उद्यान विकसित किए गए थे।

'खिलाड़ियों को सशक्त बना रहे खेल महाकुंभ'

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि अब देश में खेल और खिलाड़ियों को सशक्त बनाने की दृष्टि से देखा जा रहा है। पहले देश के नौजवानों में खेल का जज्बा होता था, लेकिन संसाधनों की कमी और सरकारी सहयोग का अभाव आड़े आ जाता था।

अब हमारे खिलाड़ियों की इस चुनौती का समाधान हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार दोपहर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर महाखेल के प्रतिभागियों को संबोधित किया। जयपुर महाखेल का आयोजन, जयपुर ग्रामीण से लोकसभा सदस्य राज्यवर्धन सिंह राठौर द्वारा 2017 से किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजस्थान ने देश को कई खेल प्रतिभाएं दी हैं और कई पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा, इतिहास गवाह है कि इस वीर भूमि के बच्चे अपने शौर्य से युद्ध के मैदान को खेल के मैदान में बदल देते हैं। इसलिए अतीत से लेकर आज तक जब भी देश की सुरक्षा का सवाल उठता है, तो राजस्थान के युवा किसी से पीछे नहीं रहते हैं। नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं से श्री अन्न यानी मोटे अनाज का ब्रांड एम्बेसडर बनने की अपील की है। उनसे इसके लाभ के बारे में स्कूल कॉलेजों में चर्चा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मना रहा है और राजस्थान बाजरा की एक बहुत ही समृद्ध परंपरा का घर है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि कार्यक्रम में 125 से अधिक लड़कियों की टीमों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी ने खेल महाकुंभ को खेलों के क्षेत्र में बड़े बदलाव का सूचक बताया।

'सबसे ज्यादा बजट राष्ट्रीय खेल विवि को दिया गया'

पीएम ने बताया कि इस बार सबसे ज्यादा बजट राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय को दिया गया है। इससे खेल प्रबंधन और खेल प्रौद्योगिकी जैसे सभी संबंधित विषयों में युवाओं को कई अवसर प्राप्त होंगे।

प्रधानमंत्री ने खेल को एक विशाल उद्योग बताया, जिसमें विशेष रूप से एमएसएमई क्षेत्र में कई रोजगार सृजित करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि बजट में घोषित पीएम कौशल सम्मान से स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। सभी खेल उपकरण छोटे और मध्यम स्तर के उद्योगों द्वारा निर्मित किए जाते हैं। पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना छोटे व्यवसायों के लिए नए अवसर पैदा करने में मदद करेगी। जयपुर महाखेल में भाजपा सांसद राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि पिछली सरकारों में खिलाड़ी और खेलों की दुर्दशा रही, लेकिन अब सरकार खिलाड़ियों को सुविधा और सम्मान प्रदान कर रही है।

उल्लेखनीय है कि महाखेल 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के दिन शुरू हुआ था। इस आयोजन में 450 से अधिक ग्राम पंचायतों, नगर पालिकाओं और सभी 8 विधानसभा क्षेत्रों के वार्डों के 6,400 से अधिक युवाओं व खिलाड़ियों की भागीदारी देखी गयी।

भारत में लोन वुल्फ अटैक करवाने वाला था पाक

हैदराबादः एनआईए ने पिछले साल अक्टूबर में हैदराबाद से 3 आतंकियों को गिरफ्तार किया था, जिनके खिलाफ 25 जनवरी को एफआईआर की गई। एनआईए की इस एफआईआर में खुलासा हुआ है कि अब्दुल जाहिद लश्कर और आईएसआई से जुड़ा था। अब्दुल ने पाकिस्तानी आकाओं के कहने पर माज और समीउद्दीन समेत कई युवाओं की भर्ती की थी। जिनका इस्तेमाल वह आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए करता था। जांच एजेंसी ने एफआईआर में हैदराबाद में आतंकवादी हमलों की साजिश करने के लिए गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार मोहम्मद जाहिद, माज हसन फारूक और समीउद्दीन को नामजद किया है।

क्या है लोन वुल्फ अटैकः पाकिस्तान, भारत में लोन वुल्फ अटैक को अंजाम देने वाला था। किसी अकेले इंसान का खतरनाक तरीके से सेलेब्रिटी या नेताओं पर किया जाने वाला हमला 'लोन वुल्फ अटैक' कहलाता है। इन हमलावरों के साथ कोई और शामिल नहीं होता, लेकिन ये लोग भीड़ या रैली में जाकर हमला कर-के बड़ी तादाद में लोगों की जान ले सकते हैं।

2 हैंड ग्रेनेड, 4 लाख कैश और दो मोबाइल भी मिलेः एफआईआर में यह भी बताया गया है कि आतंकी जाहिद के घर से जांच एजेंसी को 2 हैंड ग्रेनेड, 4 लाख रुपए कैश और दो मोबाइल फोन भी मिले थे। जाहिद आतंकी हमले करने के लिए लोगों की भर्ती भी कर रहा था।

कोई किसी को वॉर्निंग नहीं दे सकता: कानून मंत्री

प्रयागराजः कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम जनता के सेवक हैं, हम संविधान के हिसाब से काम करते हैं। जनता ही देश की मालिक है। सप्रीम कोर्ट की चेतावनी को नकारते हुए उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी है। जबकि यहां कोई किसी को चेतावनी नहीं दे सकता। रिजिजू यूपी के प्रयागराज में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जजों की नियुक्ति में हो रही देरी पर नाराजगी जताई थी।

एक साथ चीनी लिंक वाले 232 मोबाइल ऐप्स ब्लॉक

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने चीनी कनेक्शन सामने आने के बाद 235 मोबाइल ऐप को बैन और ब्लॉक करने की प्रोसेस शुरू कर दी है। इसमें 138 ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले और 94 लोन देने वाले ऐप्स शामिल हैं। गृह मंत्रालय ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री ने पिछले हफ्ते इन ऐप्स को बैन और ब्लॉक करने की सिफारिश की थी, इसके बाद मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। जांच में पता चला है कि ये ऐप्स लोगों को लोन लेने और सट्टा खेलकर लाखों जीतने का लालच देते हैं। बाद में कर्ज न चुका पाने पर उन्हें भद्दे मैसेज भेजते, यहां तक की उनकी तस्वीरों से छेड़छाड़ कर वायरल करने की धमकी भी देते हैं। इससे परेशान होकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के कुछ लोगों ने आत्महत्या कर ली।

ऐप्स पर मिला भारत विरोधी कंटेंटः गृह मंत्रालय ने अनुसार, इनपुट के बाद इन ऐप्स की जांच शुरू की गई। जिसमें पता चला है कि इन ऐप्स पर भारत की संप्रभुता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाला कंटेट मौजूद है। यह आईटी एक्ट की धारा 69 के तहत क्राइम है।

पहले लोन देते, बाद में प्रताड़ित करते हैंः मंत्रालय ने बताया कि कुछ लोगों ने इन ऐप्स के खिलाफ जबरन वसूली और उत्पीड़न की शिकायतें भी की थीं। शिकायत करने वाले लोगों ने इन ऐप्स से छोटी रकम लोन ली थी, बाद में उन्हें प्रताड़ित किया जाने लगा। जिसके चलते कुछ लोगों ने सुसाइड भी कर ली।

अडाणी मुद्दे पर कांग्रेस ने पीएम से पूछे तीन सवाल

नई दिल्लीः कांग्रेस ने अडाणी समूह विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से तीन सवाल पूछे हैं। इसके साथ ही पार्टी ने चुप्पी तोड़िये प्रधानमंत्री जी के स्लोगन के साथ कहा है कि वह आने वाले कुछ दिनों में रोज इस तरह से तीन सवाल पूछेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा कि अडाणी महामेगा घोटाले पर प्रधानमंत्री की लम्बी चुप्पी ने हमें एक शृंखला शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया है, हम अडाणी के हैं कौन। हम आज से रोजाना 3 सवाल पीएम से करेंगे। रमेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अडाणी समूह को संरक्षण प्रदान कर रही है। अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर ईडी और सीबीआई की कार्रवाई कर रही है। कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर पूछा है कि अडाणी समूह के खिलाफ ईमानदारी से जांच कैसे होगी। विपक्ष इस मामले में निष्पक्ष और स्पष्ट जांच चाहता है।

अभी तक इसमें क्या कार्रवाई की गई है। रमेश ने पूछा है कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार और कालेधन पर कार्रवाई करने की बात करते हैं, लेकिन गौतम अडाणी के भाई विनोद अडाणी का नाम पनामा और पंडोरा पेपर में आने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

'योजनाएं वोट बैंक के लिए नहीं होती हैं'

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की योजनाएं वोट बैंक के लिए नहीं होती हैं। सरकार की योजनाओं की मंशा समाज के स्वावलंबन की होती है। समाज को स्वावलंबी बनाने के लिए डबल इंजन की सरकार प्रदेश में कई तरह की योजनाएं चला रही है। हमारी सरकार ने ऐसी कई स्कीम प्रारंभ की है जो छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ाने में बड़ी मदद कर सकती है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बालिकाओं के लिए प्रदेश के अंदर कन्या सुमंगला योजना चालू की गई है। बालिका के जन्म लेने के समय यदि उसका रजिस्ट्रेशन हो गया तो उसके नाम पर उसके परिवार के पास सरकार की तरफ से एक निश्चित राशि पहुंच जाती है। उन्होंने कहा कि अक्सर बालक और बालिकाओं के बीच में भेद किया जाता है, बालिका के साथ भेदभाव ना हो इसके लिए हमने मिशन इंद्रधनुष शुरू किया। इसके माध्यम से एक साल में सभी प्रकार के टीके बालिकाओं को लगे यह सुनिश्चित किया जाता है।

कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप की अपार संभावनाएंः मुख्यमंत्री योगी रविवार को भाऊराव देवरस सेवा न्यास के महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने संत रविदास की 646वीं जयंती की बधाई दी। उन्होंने कहा कि बालक और बालिकाओं के लिए हमने अभ्युदय कोचिंग का शुभारंभ किया,

जिससे बच्चों को फिजिकली और वर्चुअली फ्री में कोचिंग मिल रही है, जिसमें हमारे कम्पटीशन से निकले योग्य अभ्यर्थी पढ़ रहे हैं।

6 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हुई, इनमें भाजपा के 43 और कांग्रेस के 10 सांसद

दोबारा चुने गए 71 सांसदों की संपत्ति 286% बढ़ी

नई दिल्लीः लोकसभा के लिए 2009 और 2019 के बीच दोबारा निर्वाचित हुए 71 सांसदों की संपत्ति औसतन 286 फीसदी तक बढ़ी है। 2009 में 71 सांसदों की औसत संपत्ति 6.15 करोड़ थी जो 2014 में बढ़कर 16.23 करोड़ हो गई। अगले पांच साल में यानी 2019 में यह 17.59 करोड़ से बढ़कर 23.75 करोड़ हो गई। इन सांसदों द्वारा दिए गए हलफनामे के आधार पर नेशनल इलेक्शन वॉच की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इनमें भाजपा के 43, कांग्रेस के 10, तृणमूल कांग्रेस के 7, बीजेडी और शिवसेना के 2-2 सांसद हैं। वहीं जेडीयू, एआईएमआईएम, एआईयूडीएफ,

आईयूएमएल, एनसीपी, शिरोमणि अकाली दल और नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक-एक सांसद हैं। भाजपा सांसदों की संपत्ति औसतन 15 करोड़, कांग्रेस सांसदों की 10 करोड़ और तृणमूल कांग्रेस की 5 करोड़ बढ़ी है।

हरसिमरत की दौलत में 157 करोड़ इजाफाः आंकड़े से देखें तो सबसे ज्यादा 157 करोड़ की संपत्ति अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल की बढ़ी है। एनसीपी की सुप्रिया सुले की 89 करोड़ बढ़ी है। बीजेडी के पिनाकी मिश्रा की दौलत में 87 करोड़ का इजाफा हुआ है।

3 सदस्यों की दौलत 1100-4000% बढ़ीः प्रतिशत से कर्नाटक के बीजापुर के भाजपा सांसद रमेश चंदप्पा (72) की संपत्ति सबसे ज्यादा 4189%बढ़ी है। 2009 में उनकी संपत्ति 1.18 रुपए थी जो 2014 में 8.94 करोड़ ।

पाक ने दूतावासों से कहा-कश्मीर मुद्दे पर प्रदर्शन करो

नई दिल्लीः भारत के खिलाफ पाकिस्तान की नई साजिश का पर्दाफाश हुआ है। भारतीय इंटेलिजेंस एजेंसियों के मुताबिक, पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की प्लानिंग की है। पाकिस्तान ने दुनियाभर में अपने दूतावासों को कहा है कि कश्मीर घाटी में ऐसी साजिश रचे जिससे दुनिया में भारत सरकार की छवि खराब हो। इंटेलिजेंस एजेंसियों ने कहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने अपनी सभी ऐंबैसी को सीक्रेट नोट भेजा है। इसमें भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने की पूरी

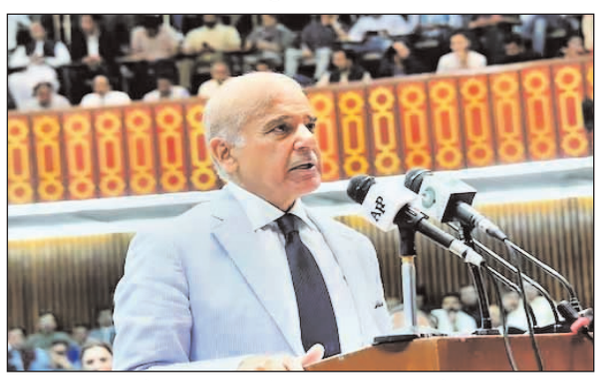

जानकारी दी गई है। 5 फरवरी को पाकिस्तान कश्मीर सॉलिडैरिटी डे मनाता है। इसके लिए इस्लामाबाद के पाकिस्तान हाई कमीशन ने सभी दूतावासों को फैक्स और ईमेल भेजकर भारतीय सेना को बदनाम करने की योजना का ब्योरा दिया है।

खबर संक्षेप

कोटेदार को युवक ने मारा पीटा

मऊआइमा। अनाज न देने पर एक युवक ने कोटेदार को दौडा दौडा कर मारा पीटा, कोटेदार ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंसईसिपाह निवासी अजय कुमार पुत्र छोटेलाल गांव का कोटेदार है। अजय कुमार के मुताबिक गांव का एक युवक नशे में धुत होकर दो बोरी अनाज मांगने लगा न देने पर उसे दौडा दौडा कर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। अजय कुमार ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर गांव के रवि कुमार पुत्र राजेन्द्र कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

दलित महिला को पीटा

मऊआइमा। एक दलित महिला का आरोप है कि बकरी चराने को लेकर बच्चों के बीच हुए झगड़े में उसे जाति सूचक गालियां देते हुए मारा पीटा गया। महिला ने तीन नामजद एक अज्ञात के खिलाफ एस सी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज करा दी है। मऊआइमा के महमदपुर(तिलई)गांव निवासनीय कुसुम देवी पत्नी राम सिंह का कहना है कि उनका पुत्र नन्दन और पडोस के रोशन लाल के साथ बकरी चरा रहे थे। कुसुम देवी का आरोप है कि बच्चों के झगडे को लेकर पडोस के सार्थक ,कल्लू ,गौरव एंव दो अज्ञातों ने उसे मारे पीटे और जाति सूचक गालियां दी। कुसुम देवी ने मऊआइमा थाने में तहरीर दे कर एस सी एस टी एक्ट एंव मार पीट का मुकदमा दर्ज करा दी है।

पांच दिन से गायब किशोर की तलाब में मिली लाश

अखंड भारत संदेश

परिजनों ने जताई थी अनहोनी की आशंका

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के अजबइयां गांव से बुधवार की शाम लापता हुए किशोर का पांच दिन बाद घर के पास स्थित तालाब में शव मिलने से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर सीओ फूलपुर, सरायइनायत व फूलपुर थाने की फोर्स के साथ मौके पर पहुचे और शव को तालाब से निकाल पीएम के लिए भेजा है। तत्काल कार्यवाही की मांग करते हुए भारी संख्या में लोग थाने पर जुटे रहे। पुलिस ने कुछ लोगो को हिरासत में भी लिया है। राजकुमार भारतीय श्रमिक है उसके दो बेटों व एक बेटी में बड़ा बेटा पांच वर्षीय सत्यम बुधवार की शाम घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गया। परिजनों ने हर संभावित स्थान पर बच्चे की खोजबीन के बाद पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। किसी अनहोनी की आशंका से कलेजे के टुकड़े के लिए तड़प रही उसकी मां सुषमा और राजकुमार की हालत दयनीय हो गई है। परिजन बच्चे की खोजबीन के लिए तांत्रिक का भी सहारा ले रहे हैं। रविवार की सुबह राजकुमार के घर से कुछ दूर पर स्थित एक तालाब में बच्चे का शव मिला। जिससे घर में कोहराम मच गया। माँ सुषमा और पिता राजकुमार तो बेसुध हो गए। मामले की सूचना मिलते ही सीओ फूलपुर मनोज सिंह कई थानों की फोर्स के साथ मौके पर शव तालाब से निकाला गया बच्चे के शरीर पर चोट के निशान भी मिले है पुलिस ने मामला बिगड़ता देख आनन फानन में शव पीएम के भेज दिया। सूत्रों की माने तो परिजनों ने जिस पर बच्चा गायब करने का शक जाहिर किया था उसे पुलिस ने उठाया था दो दिन पूछताछ के बाद शनिवार को छोड़ दिया। जिसकी वजह से नाराज लोग आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाने पर घंटों हंगामा करते रहे। सत्यम गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1 का छात्र था।

घूरपुर में रेलवे लाइन के किनारे बोरे में मिली युवक सड़ी लाश

घूरपुर। क्षेत्र के इरादतगंज रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे लाइन किनारे एक बोरे में युवक की लाश शनिवार की रात मिलने से सनसनी फैल गई । सूचना पर पहुंची शव को अपने कब्जे में लिया तो उसमें कीड़े चल रहे थे। जिससे मृतक की पहचान नहीं हो सकी और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घूरपुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज रेलवे ओवर ब्रिज के नीचे रेलवे लाइन के किनारे शनिवार की शाम गए लोगों ने एक बोरे में भरी लाश देखी । बोरे लाश मिलने की सूचना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना घूरपुर पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंची । पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर मौजूद लोगों से पहचान करवाने की कोशिश की लेकिन बुरी तरह से सड़ी लाश के कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इलाकाई लोगों ने व्यक्ति की हत्या करके लाश को बोरे में भरकर फेके जाने की आशंका जाहिर की है।

दोषी अफसरों पर कार्यवाही नहीं हुई तो आत्मदाह : महेंद्र यादव

प्रयागराज। पूर्व उप श्रम आयुक्त प्रयागराज मंडल को लेकर एक शिकायत के परिप्रेक्ष्य में शाशन द्वारा गठित जाँच कमेटी के अपर श्रम आयुक्त कानपुर सुरेंद्र सिंह वक्षर ने प्रयागराज आ करके शिकायत कर्ता महेंद्र यादव से लगभग 4 घंटे तक लम्बी पूछताछ की। जांच अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने श्रम आयुक्त कार्यालय के अधिकारिओं से भी पूछताछ की। गौरतलब हो कि प्रयागराज के पूर्व उप श्रम आयुक्त के ऊपर कई सामाज सेवीयों, एवं श्रमिक संगठन ने भी आरोप लगाया था कि उन्होंने ऐसे लोगो का शादी अनुदान पास कर दिया था जिनके बेटी ही नहीं थी। आरोप है कि बिना सुविधाशुल्क लिए उछउ कोई भी अनुदान नहीं दिया करते थे। सुविधा शुल्क प्राप्त होने पर ही आवेदन पास होता था नहीं तो कोई न कोई बहाना बनाकर श्रमिक को उनके अधिनस्थ अधिकारी अपात्र कर देते थे। प्रयागराज के क्षेत्रीय विधायक कोरांव राजमणि कोल से सैकड़ो की संख्या में श्रमिकों ने शिकायत की थी जिसे विधायक ने गंभीरता से लेते हुए अपने एक पत्र के माध्यम से जिलाधिकारी प्रयागराज को इस मामले को संज्ञान में लेने की बात कही थी और गरीब श्रमिकों के अपात्र कर दिए गए आवेदन फर्मों को पुनः दूसरे अफसरों से जांच करा कर लाभ दिलाने और दोषी अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही थी। सूत्रों के अनुसार पूर्व उछउ पर यह भी आरोप था कि उन्होंने कार्यालय में लगे वेश कीमती सागोन के पेड़ों को कटवाकर बेच लिया था जिसकी शिकायत भी लंबित थी। इन सारी बातों को शासन ने गंभीरता से लेते हुए सुरेंद्र सिंह को जाँच अधिकारी बनाकर प्रयागराज भेजा। हिन्द मजदूर सभा (शीबू) के प्रतिनिधि महेंद्र यादव और अधिवक्ता सोशल वर्कर प्रमोद शुक्ला ने भी डीएलसी के खिलाफ शिकायत की थी। इसी परिप्रेक्ष्य में तीन सदस्यीय टीम ने महेंद्र यादव से चार घंटे तक लम्बी पूछताछ की। पूंछताछ के बाद जाँच अधिकारी ने 15 दिन के अंदर कार्रवाई किये जाने का आश्वासन भी देते हुए कहा कि जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उक्त जाँच को ले करके श्रम विभाग के कार्यालय में हड़कंप मचा हुआ है। चर्चा है कि जब मीडिया के लोगो ने जाँच अधिकारी की बाइट लेनी चाही तो सुरेंद्र सिंह ने बाइट देने से मना कर दिया। अब देखना यह है की मीडिया से दूरी बना कर जाँच अधिकारी कितनी सत्यता से कार्रवाई करेंगे या उक्त जाँच के विषय को ठंडे बस्ते में डाल देंगे। महेंद्र यादव ने जाँच अधिकारी को सभी साक्ष्य उपलब्ध करा दिया है।

मेजा ऊर्जा निगम ने किया निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

अखंड भारत संदेश

मेजा। सभी के लिए स्वास्थ्यष अभियान के तहतए शनिवार को मेजा ऊर्जा निगम द्वारा झड़ीयाहि गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में करीब 110 लोगों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ शिविर में विभिन्न नियमित चिकित्सा परीक्षण किए गए और लाभार्थियों को चिकित्सा सलाह दिया गया। इसके अलावा लाभार्थियों के बेहतर स्वास्थ्य हेतु मुफ्त दवाएं भी वितरित की गईं।कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ संदीप गुप्ताए मुख्य चिकित्सा अधिकारी ;आरोग्यम अस्पतालद्ध द्वारा अखिल केपी पट्टनायकए अपर महा प्रबंधक ;मानव संसाधनद्ध के उपस्थिति में किया गया।केदार रंजन पांडुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ;मेजा ऊर्जा निगमद्ध ने स्वास्थ्य और कल्याण के साथ.साथ सामुदायिक विकास की दिशा में की गई पहल की सराहना की। इसके अलावाए उन्होंने मेजा ऊर्जा निगम के ष सभी के लिए स्वास्थ्य अभियान ष को प्रोत्साहित किया और बताया कि निकट भविष्य में लाभार्थियों के लिए ऐसे छह और चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं को रोकने हेतु जनसुनवाई फाउंडेशन की बैठक सम्पन्न

पसना। कोरांव ब्लाक अंतर्गत सींकी कला गांव के पंचायत भवन पर रविवार को क्षेत्र में हो रही चोरियों का संरक्षणदाता कौन विषय पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों एवम् गांव की जनता ने शिरकत किया। गोष्ठी में उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि इलाकाई पुलिस के उदासीन रवैये के कारण अधिकतर मामलों में पीड़ित पक्ष थाने पर शिकायत ही नहीं करते,मुश्किल से कुछ मामले थाने पर पहुंचते भी हैं तो पुलिस की लीपापोती की भेंट चढ़ जाते हैं।ग्रामीणों ने बताया कि सींकी गांव में एक चोरी की वारदात में चोर को पकड़ कर माल सहित पुलिस के हवाले किया गया लेकिन पुलिस ने दवाब डाल कर समझौता करा दिया। गोष्ठी में जनसुनवाई फाउंडेशन के प्रदेश प्रभारी कमलेश प्रसाद मिश्र एडवोकेट, जयप्रकाश द्विवेदी, नंदलाल पटेल, अशोक मिश्र, संजय शेखर, अरविंद गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

भइयां गांव के तालाबों का अस्तित्व खतरे में प्रशासन मौन

अखंड भारत संदेश

मेजा। विकास खंड मेजा के ग्राम पंचायत भइया तालाबों का गांव कहा जाता है।लेकिन अधिकांश तालाबों में अतिक्रमण है। जो तालाब किसी तरह बचे हुए हैं उन पर बेखौफ जेण्सीण्बी चलाकर पुराने भीटे को ध्वस्त किया जा रहा है। और मिट्टी को ग्राम प्रधान द्वारा बेंच दिए जाने का आरोप भी है। बता दें कि एक तरफ देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट द्वारा पर्यावरण संरक्षण हित में तालाबों को कब्जा मुक्त कराने हेतु आदेश जारी करते हुए कहा है कि सन 1952के पहले की स्थिति बहाल की जाय। दूसरी तरफ प्रशासन की उदासीनता के कारण तालाबों पर दिन.प्रतिदिन अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। जिसका जीता जागता उदाहरण भइयां भोजपुरवा एहड़गड़ हरदिहासिलौधी जैसे दर्जनों गांव के कई ऐसे तालाब हैं जिन पर हल्का लेखपाल और राजस्व विभाग की उदासीनता के कारण दिन प्रतिदिन अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। ग्राम विकास की मुहिम पर काम करने वाली राष्ट्रीय स्तरीय समाजसेवी संस्था जनसुनवाई फाउंडेशन के जनपद प्रभारी अधिवक्ता विवेक सिंह का कहना है कि विगत पांच वर्षों में ज्यादातर तालाबों पर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हुआ है।बार.बार प्रशासन को संस्था द्वारा लिखित रूप में अवगत कराते हुए वंचित वर्ग के ऐसे लाभार्थियों की सूची भी उपलब्ध कराई गई जिनके पास आवासीय भूखण्ड का पट्टा नहीं है। तालाब पर रहने को मजबूर हैं किन्तु ग्राम प्रधानों की राजनीतिक स्वार्थ व लेखपालों की उदासीनता का परिणाम रहा कि पात्र लाभार्थियों को आवासीय भूखण्ड का पट्टा नहीं दिया गया और प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत होने पर लोगों ने तालाबों पर ही निर्माण कार्य कर लिया है। शासन स्तर पर तालाबों के स्तित्व को बचाने के लिए कई योजनाएं संचालित हैं किन्तु करोड़ों रुपए खर्च होने के बावजूद शासन की मंशा मुताबिक परिणाम दिखाई नहीं देने का सबसे बड़ा कारण प्रशासन की उदासीनता है। यद्यपि भइयां गांव के लेखपाल गौरीशंकर का कहना है कि तालाबों पर प्रधानमंत्री आवास बनाने वाले लाभार्थियों के खिलाफ मुकदमा भी पंजीकृत कराया गया है। इसके बावजूद इसके भी लाभार्थियों द्वारा तालाबों पर प्रधानमंत्री आवास का निर्माण कर लिया गया है।ग्रामीणों ने प्रधान द्वारा तालाब के भीट की खुदाई तत्काल प्रभाव से रोकने की मांग की है।

तालाबों के संरक्षण के लिए जागरुक करेंगे गंगादूत

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज क्रियान्वित नमामि गंगे में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत 2 दिवसीय ग्रामस्तरीय 50 गंगा दूतो का प्रशिक्षण का आयोजन आर के यदुवंशी इंटरमीडिट कॉलेज प्रयागराज में किया गया। प्रथम दिवस पर कार्यक्रम में जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने युवाओ नमामि गंगे परियोजना मे युवाओ की सहभागिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी ' एवं गंगा संरक्षण हेतु की जा रही जगरूकता गतिविधियों से अवगत कराया ' मौके पर प्रधानाचार्य वीर सिंह ने गंगा को स्वच्छ रखने हेतु युवा शिक्षित पीढ़ी को भी जागरूक होकर कंधे से कंधे मिलाकर चलने का आवाह्न किया' तथा शास्वत सिंह यादव, अंकित कुमार चौधरी ,अमित द्विवेदी मौजूद रहे ' गंगा में प्रशिक्षक नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान से नीतीश कुशवाहा ने नुक्कड़ नाटक, कहानी वचन के माध्यम से गंगा स्वच्छता के विषय पर बहुत ही रचनात्मक तरीके से गंगा दूतों को बताया।इसके पश्चात वृहद जगरूकता हेतु सोशल मीडिया का सही उपयोग और उसके माध्यम पर गंगा दूतों से चर्चा करी ' द्वितीय दिवस जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे ने सभी गंगा दूतों को परियोजना से जुड़ने हेतु बधाई दी और अच्छे और जिम्मेदार नेतृत्वकर्ता बनने के लिए प्रोत्साहित किया ' तालाब बचाओ अभियान के संयोजक एवं शोध छात्र रामबाबू तिवारी ने जल के प्राकृतिक स्रोत तालाबों व कुओं के संरक्षण-संवर्धन पर चर्चा करी ' सभी गंगा दूतों द्वारा गंगा संरक्षण जागरुकता हेतु रैली का आयोजन भी किया गया ' अन्त में सभी गंगा दूतों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया ' कार्यक्रम में स्वयं सेवक अमन कुमार, रोहित मानी तिवारी, गंगा दूत अमन गुप्ता का खास सहयोग रहा।

विद्यालय का वार्षिकोत्सव उन्नति और प्रगति का परिचायक : मानसिंह

अखंड भारत संदेश

एस डी पब्लिक स्कूल कालेज रामनगर में मनाया गया वार्षिकोत्सव

मेजा। विद्यालय का वार्षिकोत्सव विद्यालय की उन्नति और प्रगति का परिचायक है। विद्यार्थी और अध्यापकोंए दोनों के लिए यह हर्ष और उल्लास का पर्व है। विद्यार्थियों की प्रतिभाए योग्यता और कार्यकुशलता के मूल्यांकन का दिन होता है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप कार्य करने एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखते हुए आगे बढ़ने की बात कही।उन्होंने कहा कि आज का दौर शिक्षा व विज्ञान का दौर है। शिक्षा से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।इस दौर में अशिक्षित व्यक्ति का समाज में कोई महत्व नहीं है।उक्त बातें एमएलसी मानसिंह ने विकास खंड उरुवा के रामनगर में स्थित एसडी पब्लिक स्कूल के 15 वें वार्षिक समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कही। मुख्य अतिथि के रूप में प्रताप पुर की विधायक विजमा यादव ने कहा कि सामाजिक जीवन में जो स्थान धार्मिक पर्वों का हैए राष्ट्र के जीवन में स्वतंत्रता दिवसए गणतंत्र दिवसए बाल.दिवस तथा गाँधी.दिवस का हैए वही स्थान विद्यालय.जीवन में उसके वार्षिकोत्सव का होता है।वार्षिक समारोह के दौरान बच्चों व स्कूल की प्रगति का लेखा जोखा भी होता है।बच्चों को सांस्कृतिक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एक मंच होता है।संस्था के निदेशक पंकज यादव ने अपने स्वागत भाषण में स्कूल की प्रगति पर विस्तार से प्रकाश डाला।सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों व प्रतिभावान बच्चों को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान स्कूल के छात्र .छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गीतए नृत्य नाटक कौव्वाली और पिरामिड की शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथियों का विद्यालय प्रबंध समिति तथा बच्चों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शासकीय अधिवक्ता रामेश्वर प्रसाद शुक्ल और कुशल संचालन प्रबंधक नीरज यादव ने किया। स्कूल की प्रबंधक संगीता नीरज यादव ;ग्राम प्रधानद्धएस्कूल के संस्थापक यशवंत सिंहयादवए निदेशक पंकज यादव ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया।इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्राधिकारी मेजा विमल किशोर मिश्राए प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेश्वर मिश्रा तथा सरिता राज नायब तहसीलदार रायबरेली ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के बाद प्रधानाचार्य ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का आभार प्रकट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर स्कूल के समस्त शिक्षक शिक्षिका और सहयोगी कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र यादव मेला क्षेत्र अरैल में सफाई कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। जिले के अंतर्गत माघ मेला क्षेत्र अरैल में साफ सफाई का कार्य कर रहे और मेले को साफ बनाने में अपना पूरा योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों को प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र यादव द्वारा सम्मानित किया गया आपको बताते चलें कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सभी सफाई कर्मचारियों को माला पहनाकर और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया धर्मेंद्र यादव ने बताया कि सफाई कर्मचारी ही उनकी ताकत है और अरैल में जितनी भी साफ-सफाई दिख रही है वह सब सफाई कर्मचारियों की देन है हमारे सभी कर्मचारी हैं दिन-रात जाकर मेहनत कर के मेला क्षेत्र को साफ बनाने में हमारा सहयोग किया है इसीलिए यह सब बधाई एवं सम्मानित होने के पात्र हैं इनका सम्मान करना हमारे लिए गौरव की बात है धर्मेंद्र यादव ने कहा कि आस्था के इस पावन प्रांगण में जिस तरह से लोग लापरवाही बरतते हैं गंदगी फैलाते हैं और साफ सफाई का ध्यान नहीं रखते वही हमारे कर्मचारी रात दिन मेहनत करके अरैल को साफ बनाने में अपना पूरा योगदान दिया है इनकी जितनी तारीफ की जाए उतनी कम है धर्मेंद्र यादव ने सभी को माला पहनाकर और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और उनके काम की सराहना कर उन्हें सम्मानित किया सभी कर्मचारियों ने धर्मेंद्र यादव का धन्यवाद देते हुए उनका आशीर्वाद लिया और आगे भी अपना काम पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से करने का प्रण लिया धर्मेंद्र यादव की इस मुहिम से सभी कर्मचारियों में खुशी की लहर देखने को मिली।

सन्त रैदास बौद्ध परम्परा को आगे ले जाने वाले मध्यकालीन बोधिसत्व स्वरूप थे

अखंड भारत संदेश

जसरा। प्रबुद्ध फाउंडेशन, डा. अम्बेडकर वेलफेयर एसोसिएशन (दावा) देवपती मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में यमुनापार के सीएमपी सभा दौना में सन्त शिरोमणि गुरु रैदास जी की जयन्ती बड़े ही धूमधाम से मनाई गई। समाज उत्थान में सन्त रैदास जी का योगदान विषय पर अतिथियों ने तर्कपूर्ण अपने विचार रखे।उद्योग विभाग के डिप्टी कमिश्नर संजय कुमार ने जयन्ती समारोह में बतौर मुख्य अतिथि अपने सम्बोधन में कहा कि संत शिरोमणि गुरु रैदास उन महान संतों में अग्रणी थे जिन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से देश-समाज में व्याप्त अंधविश्वास, पाखण्ड, कुरीतियों और जाति व्यवस्था जैसी बुराइयों को दूर करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सन्त रैदास की विशेषता उनकी लोक-वाणी से जनमानस पर छाप छोड़ी। सेवा, समर्पण, मैत्री और बन्धुत्व ने महाकवि को संत शिरोमणि को गुरु रैदास से नवाजा गया है। इनकी कही हुई वाणी पर बैश्विक स्तर पर विभिन्न भाषाओं में रिसर्च किये जा रहे है। सीएमपी डिग्री कालेज हिंन्दी विभाग के प्रोफेसर डा.दीनानाथ ने बतौर मुख्य वक्ता अपने विचार व्यक्त करते हुये बताया कि सन्त रैदास वर्णाश्रम व्यवस्था में जिस समाज से आते थे उस समय वो समाज बौद्धिकता और ज्ञान के नाम से पूर्णतः अछूत था, किन्तु रैदास की वाणी में सत्य की सच्ची भावना, वैज्ञानिक सोच पर आधारित समाज के व्यापक हित की कामना तथा मानव प्रेम से ओत-प्रोत थी इसलिए रैदास की वाणी श्रोताओं के मन पर सीधा और गहरा प्रभाव डालता था। उनके भजनों तथा उपदेशों से लोगों को ऐसी शिक्षा मिलती थी जिससे उनकी शंकाओं का सन्तोषजनक समाधान हो जाता था और लोग स्वतः उनके अनुयायी बन जाते थे। सीएमपी डिग्री कालेज अर्थशास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. सत्येन्द्र कुमार ने बताया कि गुरु रैदास मध्यकाल के एक ऐसे भारतीय संत थे जिन्होंने जात-पात के अन्त व विरोध में कार्य किया। इन्हें सतगुरु अथवा जगतगुरु की उपाधि भी दी गई है। इनके रचे गये कुछ भजन सिख लोगों के पवित्र ग्रंथ गुरुग्रंथ साहिब में भी शामिल हैं। ब्राह्मणवाद से बचाने व जीवन सुधारने वाले सूत्र देने वाले बोधिसत्व गुरु रैदास बौद्ध परम्परा के ही एक बोधिसत्व स्वरूप हैं। जयन्ती समारोह में मनोज कुमार, आरके राम ने भी विचार रखे। रामनरेश, पिंटू, फूलचंद्र, धीरज, श्यामबाबू, चन्द्र दास, शिवा, अंकित, जगदीश, हीरालाल, अनित, सत्यम,नबूलाल, इंद्रजीत, रामविलास, सुरेश, नीरज, अविनाश, दिनेश, शिवपूजन, रंजीत, शिवसागर, बिटोला, गुड्डी, रामसजीवन, रामबहादुर, रामकरन, संतलाल, शंकर लाल, बद्री प्रसाद, देवराज, सुभाष, अशोक कुमार चौधरी आदि के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बाइक सवार युवक की ट्रक की चपेट में आने से गई जान

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों क्षेत्र के हंडिया कोखराज नेशनल हाईवे पर बगई कला गांव के सामने रविवार की सायं काल लगभग 5 बजे सहसों की तरफ आ रहे बाइक सवार युवक की ट्रक की चपेट में आने से जान चली गई। मौके पर पहुंचे चौकी प्रभारी सहसों दयाराम ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार सरायममरेज थाना क्षेत्र के मखदूमपुर गांव निवासी 35 वर्षीय दिनेश भारतीय पुत्र हीरा भारतीय बाइक से हंडिया कोखराज हाईवे पर सहसों की तरफ आ रहा था। इसी दौरान तेज गति से आ रही ट्रक की चपेट में आने से मौके पर ही युवक ने दम तोड़ दिया । सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी दयाराम ने शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया तथा जानकारी हासिल करते हुए घटना की सूचना परिजनों को दे दी।

प्रबुद्ध पाठशाला की चर्चा जोरों पर बुद्धिजीवियों ने किया स्वागत

यमुनापार की दर्जनों बस्तियों में प्रबुद्ध पाठशाला खोले जाने की तैयारी

जसरा। बहुजन समाज के 7 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के सृजनात्मक, कलात्मक और व्यक्तित्व विकास के साथ बहुजन रंगमंच के पुनर्स्थापत्य और बहुजन समाज के उच्च प्राथमिक स्तर तक के बच्चों के शैक्षिक विकास के लिये प्रतिबद्ध प्रबुद्ध फाउंडेशन, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा यमुनापार के ग्रामसभा दौना में 'प्रबुद्ध पाठशाला' खोला गया है। प्रबुद्ध पाठशाला में लगभग सैकड़ों बच्चों की अंग्रेजी, गणित और विज्ञान विषय में मजबूती प्रदान कर उन्हें कुशाग्र बनाने के लिये पाठशाला के संयोजक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बहुजन समाज के सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों से रविवार रविवार को दोपहर 12 बजे से अपराह्न 04 बजे तक कक्षायें चलाने का आह्वान किया है। प्रबुद्ध पाठशाला के संयोजक उच्च न्यायालय के अधिवक्ता रंगकर्मी रंग निर्देशक आईपी रामबृज ने बताया कि भारतीय लोकतंत्र में देश और प्रदेश की सत्ता पर काबिज होती रही चली आ रही सत्ताधारी पार्टियां क्या ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवार के बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छी चिकित्सा और सम्मान जनक रोजगार दे पाने में असफल रही है। आज देश की वर्तमान सरकार सरकारी सिस्टम को खत्मकर सरकारी संस्थानों को निजी हाथों में बेचकर देश को निजीकरण के दलदल में डुबोना यानि देश को अप्रत्यक्ष रूप से गुलाम बनाने की प्रक्रिया में ले जाने का कार्य कर रही है। आईपी रामबृज ने पूछे जाने पर बताया कि भारत जिसे कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। जिस देश में दूध की गंगा बहती थी, क्या उस सम्मान को पुनः वापस दिला पाएंगे प्रबुद्ध पाठशाला अपनी शिक्षा के माध्यम से बहुजन बाहुल्य बस्तियों के बच्चों को कुशाग्र बनाने की प्रक्रिया में लगा हुआ है जिसकी चर्चा जोरों पर हो रही है। एक सप्ताह के अन्दर यमुनापार की दर्जनों बहुजन बाहुल्य बस्तियों में प्रबुद्ध पाठशाला खोले जाने की संभावना है। पाठशाला के कुशाग्र बच्चे ही भारत की खोई हुई विरासत को पुनः वापस दिलाने के साथ साथ देश की अमीरी गरीबी की खाई को समाप्त कर समतावादी भारत राष्ट्र बनाने की प्रक्रिया के लिये संकल्पबद्ध है।

पुण्य योग में 37 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आस्था, भक्ति, विश्वास के संगम तट पर रविवार को भक्ति भावों का मिलन हर किसी को धन्य कर गया। मौका था माघी पूर्णिमा के स्नान पर्व का। आधी रात से ही पुण्य की डुबकी लगाने के लिए आस्था की लहरें उठने लगीं। एक तरफ स्नान और दूसरी तरफ अन्न-वस्त्र के दान की बहती गंगा में हाथ धोकर कल्पवासी निहाल होते रहे। देर शाम तक मेला प्रशासन ने 37 लाख श्रद्धालुओं के संगम में स्नान का दावा किया।माघी पूर्णिमा पर संगम में डुबकी लगाकर तटों पर दीप जलाने, रेती पर हल्दी-चंदन के टीके लगाकर मां गंगा की आरती के साथ समूहों में स्तुति करने का सिलसिला भोर में तेज हो गया। कहीं मुंडन संस्कार होते रहे तो कहीं ढोल-नगाड़े के साथ डुबकी लगती रही। शिविरों से संतों-भक्तों की टोलियां निशान लेकर आखिरी स्नान शोभा यात्राएं निकालकर संगम पर पहुंचती रहीं। मां गंगा के जयकारे चहुंदिश गूंजते रहे। कल्पवास का आखिरी दिन होने के साथ ही संगम जाने वाली सड़कों पर रेला उमड़ता रहा।पौ फटने के बाद काली मार्ग, त्रिवेणी मार्ग से लेकर दारागंज और अरैल के घाटों पर कहीं तिल रखने की जगह नहीं बची। माघ मेला क्षेत्र के स्नान घाटों पर माघी पूर्णिमा की डुबकी इसी तरह के अनंत भावों के साथ लगती रही। दूर-दराज के इलाकों से आए श्रद्धालु मां गंगा की आराधना के साथ तिलक-त्रिपुंड लगाकर निहाल होते रहे। बहुएं स्नान के बाद परिवार के बड़े-बुजर्गों का आशीष

कल्पवास पूर्ण होने पर घरों को निकले श्रद्धालु

लेती रहीं, तो बच्चों के दीर्घायु के लिए पुरोहितों की चौकियों पर मां गंगा और वेणी माधव से मनौती की जाती रही।

रेती पर खूब लगा खीर-पूड़ी का भोग :

मागी पूर्णिमा स्नान पर्व के उत्सव में घाटों पर ढोल-नगाढ़े भी खूब बजे। घाटों के आसपास रेती पर चूल्हे जलाकर पूड़ी-खीर का भोग भी लगता रहा। मां गंगा के तट पर कामनाओं के दीप आंचल फैलाकर इसी तरह जलाए जाते रहे। संगम के अलावा कल्पवासी शिविरों में, कड़ी-चावल के भोग साथ सत्यनारायण भगवान की कथाएं भी होती रहीं।

पूर्णिमा पर मेलाधिकारी ने सुनी सत्यनारायण भगवान की कथा :

माघी पूर्णिमा पर रविवार को महीने भर के कल्पवास की पूर्णाहुति पर मेलाधिकारी अरविंद चौहान ने भी सविधि मंत्रोच्चार के साथ सत्यनारायण भगवान की कथा सुनी । मेला प्रशासन की ओर से आयोजित सत्यनारायण भगवान की कथा में वैदिक आचार्यों ने लोक कल्याण की कामना से आहुतियां दिलवाई। इस मौके पर एसएसपी मेला डॉ. राजीव नारायण मिश्र समेत कई अफसर मौजूद थे।

माघ मेले से वापसी के लिए भी प्रबंध :

माघी पूर्णिमा पर माघ मेले के साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था को भी सुचारू बनाए रखने के इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत मेले से कल्पवासियों की वापसी के लिए भी प्रबंध किए गए हैं। विभिन्न दिशाओं की ओर जाने वाले कल्पवासियों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं। व्यवस्था के मुताबिक, कानपुर, लखनऊ व रीवा की तरफ जाने वाले कल्पवासियों को पांटून पुल नंबर चार से गंगा भवन तिराहा, दारागंज होते हुए मेला क्षेत्र से बाहर भेजा जाएगा। इसी तरह वाराणसी, जौनपुर की तरफ जाने वाले कल्पवासी काली सड़क, टीकरमाफी आश्रम से जाएंगे। इसके अलावा पुल नंबर दो से भी त्रिवेणी मार्ग, फोर्ट रोड चौराहे होते हुए नगर क्षेत्र से कल्पवासियों को बाहर भेजा जाएगा।इससे पहले माघी पूर्णिमा के मद्देनजर संगम क्षेत्र में चार फरवरी की सुबह से ही वाहनों की इंट्री रोक दी गई। यह व्यवस्था छह फरवरी को दोपहर 12.00 बजे या भीड़ समाप्ति तक लागू रहेगी। इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था की बात की जाए तो मिजार्पुर- रीवा की ओर से आने वाले समस्त दोपहिया व चारपहिया वाहनों को लेप्रोसी चौराहे के बगल में नवप्रयागम पार्किंग, जौनपुर-वाराणसी की ओर से आने वाले वाहनों को कटका तिराहे से डायवर्जन कर चीनी मिल पार्किंग और कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को सीएमपी डिग्री कालेज,केपी कॉलेज व बक्शी बांध कछार पार्किंग में पार्क कराया जाएगा।

जसरा में जंगली जानवर का आतंक 27 भेड़ों को मार गिराया

अखंड भारत संदेश

जसरा। घूरपुर थाना क्षेत्र के जसरा गांव में गांव के बाहर लकड़ी का टट्टर बनाकर भेंड़ पालक उसी में भेंड़ो को रख रहा था। शनिवार की रात किसी जंगली जानवर ने वहां के 27 भेंड़ों को मार डाला। सुबह भेंड़ पालक नेमृत भेंड़ों को देखकर दहाड़े मारकर रोन लगा। रोने की आवाजसुनकर आस पास के दर्जनों ग्रामीण इकट्ठा हो गए। भेड़ मालिक राजाराम पाल द्वारा बताया गया कि वह लगभग 4 वर्षों से घर से लगभग 50 मीटर दूरी पर लकड़ी का टट्टर बनाकर उसके अंदर भेड़ों को पाल रखा था और दिन में उसको आस पास के खेतों में घास चरा कर शाम को उसी घेरे में बांध दिया करता था। इसी तरह वह शनिवार की रात भेड़ों को चराकर शाम को उसी घेरे में ले जाकर बांध दिया। रात में किसी जंगली जानवर द्वारा उस घेरे में घुसकर 25 भेड़ों को गला दबाकर मार दिया और दो भेड़ के बच्चों को जंगली जानवर उठा ले गया। जब कि कई भेड़ों को घायल कर दिया है। लेकिन अगल बगल रह रहे लोगों को व राजाराम को रात में इस घटना की जानकारी नहीं हो पाई। जंगली जानवर किस तरह से भेड़ों को मारा और जब सुबह राजाराम पाल अपनी भेड़ों को देखने के लिए गया तो भेंड़ों की हालत देख हक्का बक्का रह गया और रोने लगा। रोता देख आस पास के लोग पहुंचकर भेड़ों की हालत देखकर हक्का-बक्का रह गए। राजाराम ने रोते हुए बताया कि मारी गई भेंड़ो कि कीमत लगभग डेढ़ लाख रूपया है। जिससे राजाराम और उससे उसके व परिवार में पहाड़ टूट पड़ा है। वहीं इस घटना से गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। बताया कि राजाराम जैसे कई भेड़ व्यवसाई हैं, जो भेड़ों का व्यवसाय कर अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। वहीं सूचना पर

प्रयागराज से आई पशु चिकित्सक की टीम द्वारा डा० अल्का मनीषा ने शेष बचे हुए 19 भेंड़ों का उपचार कर दवाइंया दिया। बताया कि जंगली जानवर द्वारा गला दबाकर खून पी लिया गया है। टीम में पशुधन प्रसार अधिकारी इंद्रजीत सिंह व सहायक अवनाश सिंह मौजूद रहे।

विश्व कैंसर दिवस पर गोष्ठी का आयोजन आर के स्कूल आफ नर्सिंग ने आयोजन किया गया

नैनी। आर के स्कूल आफ नर्सिंग मवैया, नैनी, प्रयागराज द्वारा विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सिंग कार्यवाहक प्राचार्या मरियम शेफाली दास ने छात्र-छात्राओं को विश्व कैंसर दिवस के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि विश्व में आज ही के दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिये विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है उन्होने कहा कि विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित संस्थाध्यक्ष डॉ0 आशुतोष त्रिपाठी जी ने छात्र-छात्राओं को जानकारी देते हुये कहा कि सन 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विटजरलैंड मे जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया। वर्तमान में दुनिया भर में हर साल 76 लाख लोग कैंसर से दम तोड़ते हैं जिनमे से 40 लाख लोगों की समय से पहले 30 से 69 वर्ष की आयु में मृत्यु हो जाती है। इसलिये समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करना है। उक्त कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक इ0 आशीष त्रिपाठी विधि प्राचार्य डॉ0 मुहम्मद जफर रजिस्ट्रार अनुज शुक्ला एवं नर्सिंग की समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

माघमेला : स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सैकड़ों महिला संत साध्वी और साधुओं ने खोला मोर्चा

अखंड भारत संदेश

समाजवादी पार्टी से राष्ट्रीय महासचिव पद से हटाने की मांग, कहा किसी भी धार्मिक आयोजन में स्वामी प्रसाद मौर्य की नहीं होगी एंट्री

प्रयागराज। रामचरितमानस को लेकर विवादों में घिरे स्वामी प्रसाद मौर्य और उनके समर्थकों पर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। संगम तट पर लगे माघ मेले में देश के कोने-कोने से आए साधु-संत बयान के खिलाफ एकजुट होते नजर आ रहे हैं। मेला क्षेत्र में महिला संत, साध्वी और सैकड़ों की संख्या में साधु संत ने हिंदू ग्रंथों पर हो रही टिप्पणी और स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है । महिला संत और साध्वी भी इसके विरोध में आगे आने लगे है।इसी कड़ी में मेला क्षेत्र में सैकड़ों साधु संत एकजुट होकर मेला क्षेत्र में संकल्प यात्रा निकाली। इस संकल्प यात्रा में सभी साधु-संतों ने एक स्वर में कहा कि जिस तरीके से स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान दिया है उससे वह काफी आहत हैं और

अब वह मांग कर रहे हैं कि समाजवादी पार्टी ऐसी बयानबाजी पर स्वामी प्रसाद मौर्य को निष्कासित करें साथ ही पूरे देश से स्वामी प्रसाद मौर्य और उनके समर्थक माफी मांगे। ऐसा नहीं करने पर स्वामी प्रसाद मौर्य और उनके समर्थकों को किसी भी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित नहीं होने दिया जाएगा । वृंदावन से आई महामंडलेश्वर राधा सरस्वती ने कहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा दिया गया बयान से पूरा संत समाज आहत है। स्वामी प्रसाद मौर्य को अपना बयान वापस लेना होगा नहीं तो आने वाले समय में वह जिस भी पार्टी मे रहेंगे उसको काफी नुकसान होगा। उधर महामंडलेश्वर स्वामी विष्णु दास महाराज का कहना है कि समाजवादी पार्टी ने हाल ही में उन्हें महासचिव पद से नवाजा है ऐसे मे उनको तुरंत पार्टी से निष्कासित किया जाए क्योंकि हिंदू ग्रंथों के खिलाफ कोई भी टिप्पणी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।आपको बता दे यात्रा लेटे हुए बजरंगबली से शुरू हुई और संगम नोज से होते हुए मेला क्षेत्र के कई रास्तों से होकर गुजरी ।यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भी जागरूक रहने की साधु-संतों ने अपील की । इसके साथ माघ मेले के सफल आयोजन और आगामी कुंभ को लेकर के भी एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

जनसुनवाई अभियान में चिन्हित हुई जनसमस्याएं

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। ग्राम सींकी कला में जनपंचायत आयोजित करके ग्रामीणों द्वारा जनसमस्याओं पर मंथन किया गया। जनसुनवाई फाउंडेशन के बैनर तले पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में ग्राम विकास मापी सूचकांक का आकलन हुआ जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, उन्नत खेती, प्रधानमंत्री आवास, ग्राम विकास निधि सहित विभिन्न योजनाओं का स्थलीय स्थिति को उपस्थित ग्रामीणों ने संतोष जनक बताया जबकि ग्राम पंचायत में हो रही चोरी की घटनाओं पर ग्रामीणों द्वारा चिंता व्यक्त की गई जनपंचायत में उपस्थित ग्रामीण अशोक सिंह ने बताया कि दो समरसेबिल,व एक पम्पिंगसेट चोरी हुई किन्तु पुलिस प्रशासन द्वारा रिपोर्ट तक नहीं दर्ज की गई, जबकि विवेक सिंह ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि विगत दो महीने पहले घर के पास से मोटरसाइकिल की चोरी को पुलिस द्वारा पंजीकृत नहीं किया गया। उमाशंकर की शिकायत भी पुलिस से ही है कि दुकान का ताला-तोड़कर डकैती हुई नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा तक पंजीकृत नहीं किया गया बल्कि पीड़ित पर पुलिस का दबाव है कि समझौता कर लो सामान वापस दिला दिया जाएगा। जनपंचायत में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे वरिष्ठ समाजसेवी व जनसुनवाई अभियान के राष्ट्रीय

समन्वयक जयप्रकाश द्विवेदी ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा हेल्पलाइन नंबर शुरू किया गया है जिसमें थाना - मेजा में प्राथमिकी दर्ज न होने की क?ई घटनाएं सामने आई हैं।जिसको लेकर पुलिस कमिश्नर प्रयागराज से वार्ता भी की गई है। यदि मेजा पुलिस की कार्यशैली में सुधार नहीं हुआ तो शीघ्र ही प्रतिनिधि मंडल के साथ मुख्यमंत्री तक मिलकर क्षेत्रीय घटनाओं से अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम स्थल पर उच्च न्यायालय अधिवक्ता नन्दलाल पटेल, फाउंडेशन के प्रदेश प्रभारी अधिवक्ता कमलेश प्रसाद मिश्र व जनपद प्रभारी विवेक सिंह, धनंजय सिंह,राजा,अंकुरसिंह आदि सैकड़ों ग्रामीण एकत्रित हुए।

बच्चों को उच्च शिक्षा देने के साथ ही उनमें नैतिक गुणों का समावेश करना विद्यालय का मुख्य उद्देश्य : विजय पाल

अखंड भारत संदेश

ईशा पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दी मनमोहक प्रस्तुति

फूलपुर। आज के इस बदलते परिवेश में बच्चों में नैतिकता की कमी आई है। आज के बच्चे कल का भविष्य है इसलिए उनमें संस्कारों की कमी न हो इस बात का ध्यान शिक्षक के साथ अभिवावक को भी देना चाहिए। उक्त बातें रविवार को बाबूगंज स्थित ईशा पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव समारोह में अभिवावकों को सम्बोधित करते हुए सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर चिरंजीव पाल ने बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि ईशा पब्लिक स्कूल क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए हैं जिसका श्रेय विद्यालय प्रबंधन को जाता है। समारोह के विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता अशोक चौधरी ने कहा कि शिक्षण कार्य के साथ ही नैतिक संस्कारों की बदौलत ही इस विद्यालय पर अभिवावकों का भरोसा कायम है। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के द्वारा सरस्वती पूजन करने के बाद हुआ।

समारोह में बच्चों ने विविध सामाजिक, देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बागबान फिल्म के गीत बागों के हर फूल को अपना समझें बागबान..... पर बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुती से सबकी आंखें नम हो गई। कार्यक्रम का निर्देशन ईशा पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती नीलम पाल ने व कुशल संचालन आर डी पाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य अजय कुमार पाल ने किया। विद्यालय के प्रबंधक विजय पाल ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य बच्चों को उच्च व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ ही उनमें नैतिकता का विकास करना है। मौके पर सपा के जिला उपाध्यक्ष रामसुमेर पाल,अरविंद पाल, नागेन्द्र मोहन मिश्रा के साथ ही सैकड़ों की संख्या में छात्र एवं अभिवावक मौजूद रहे।

मन्दिर में प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात शतचंडी महायज्ञ हुआ आयोजन

सहसों। क्षेत्र के हेतापट्टी गांव में आयोजक चंद्रभान सिंह द्वारा नवनिर्मित शिव मंदिर में मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा आचार्य विद्वानों के द्वारा कराया गया। तत्पश्चात रविवार को शतचंडी महायज्ञ का आचार्य पंडित राम बिहारी शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण से विधि विधान पूर्वक महायज्ञ में मुख्य यजमान अवधराजी देवी, भानु प्रकाश सिंह सहित अन्य लोगों ने यज्ञशाला में आहुतियां डाली। इस मौके पर आचार्य ने कहा किसी भी धर्म कार्य पर यज्ञशाला में आहुतियां डालकर देवी-देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। ताकि घर-परिवार, समाज में शांति,सुख संपन्नता के साथ ईश्वर की कृपा बनी रहे। इस मौके पर विकास सिंह, वैभव सिंह, हिमांशु सिंह, गौरव सिंह आदि मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम जहरा एजाज नकवी है जो उसके शैक्षणिक अभिलेखों, जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है । त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या 701609892291 में अनिका एजाज नकवी अंकित हो गया है । भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम जहरा एजाज नकवी पुत्री एजाज अहमद नकवी के नाम से जाना व पहचाना जाए।

एजाज अहमद नकवी
पता- बसावनगंज बाजार अमरोहा उत्तर प्रदेश

विशेष पुलिस अधिकारी एसपीओ टीम ने मेला क्षेत्र में निभाई अहम भूमिका

नैनी। कोतवाली नैनी इन्चार्ज के दिशानिर्देश पर पूर्णिमा के अंतिम नहान को सुचारू से संपन्न कराने, एव 2023 के माध मेला को सम्पन्न कराने मे सफलता पुर्वक पुलिस प्रशासन का सहयोग करने में विशेष पुलिस अधिकारी एसपीओ टीम अहम भूमिका निभाई मेला क्षेत्र प्रयागराज में मेला प्रभारी रवि मिश्रा, एवं प्रभारी एसपीओ अभय राज सिंह के निर्देशन में अपनी जिम्मेदारी को बखूबी निभाया पुलिस उपायुक्त यमुनानगर जिलाधिकार करछना एसीपीकरछना अजीत सिंह चौहान प्रभारी निरीक्षक नैनी बृजेश सिंह एवं सीनियर एसएसआई अजय कुमार सिंह कोतवाली इंचार्ज के दिशा निर्देश पर एसपीओ प्रभारी अभय राज सिंह के मार्गदर्शन और एसपीओ माघ मेला प्रभारी रवि मिश्रा के देखरेख में उप प्रभारी परवेज अहमद , संगठन सचिव रविन्द्र सिंह, जनसंपर्क अधिकारी से लियाकत अली सभी वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से सभी पॉइंट ऊपर पुलिस प्रशासन के साथ एसपीओ टीम तैनात रही शेल्फी पॉइंट वीआईपी घाट से लेकर अरैल घाट व लेप्रेसी चौराहा तक सभी बैरिकेटिंग पर अलग अलग जगहों पर एरिया इन्चार्ज के

साथ एसपीओ जवान मौजूद रहे ! प्रभारी अभय राज सिंह से मुलाकात मे मंत्री जी ने टीम एसपीओ के संचालन व कुशल नेतृत्व के लिये प्रभारी एसपीओ को बधाई भी दी थी एवं सभी नहान पर्व पर उपस्थित रहने पर एसपीओ टीम के सम्मानित भी किया था अन्य अधिकारी जो प्रदेश सरकार लखनऊने घाट पर दौरा किया सभी अधिकारी ने अपने साथ टीम एसपीओ के साथ अपनी फोटो भी साझा की! मेला क्षेत्र मे सभी श्रद्वालुओ का पूरा सहयोग मिला सभी ने एसपीओ के कार्यो की सराहनां की सभी सरकारी सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग रहा हम सभी टीम के सदस्यो को एवं मेला क्षेत्र के लोगो को धन्यवाद प्रभारी एव सगठन सचिव की ओर से देरहे है। उप जिलाधिकारी करछना क्षेत्र अधिकारी करछना प्रभारी निरीक्षक नैनी कोतवाली इंचार्ज ने एसपीओ टीम के कार्यो की सराहना की एसपीओ प्रभारी अभयराज सिंह ने सभी ने वरिष्ठ अधिकारियों और कार्यकताओं के साथ वातार्लाप की जिन्होंने पूरी टीम की सराहना किया उपस्थित टीम में प्रभारीं अभय राज सिंह, उप प्रभारी परवेज अहमद, संगठन सचिव रविन्द्र सिह, जनसम्पर्क अधिकारी शेव लियकात अली, मीडिया प्रभारी विरेन्द्र पटेल, सदीप विश्वकर्मा, मेला प्रभारी रवि मिश्रा, उपथाना प्रभारी, घनश्याम जायसवाल, सीनियर एरिया इन्चार्ज रामजी जायसवाल, एरिया इन्चार्ज शुशील शर्मा,पंकज मलिक, प्रदीप कुमार, सजीव कुमार, दिनेश केसवानी, धर्मराज पटेल, दीपक चौरसिया, विशाल जायसवाल, नसीम अहमद,शुभम प्रजापति, रमेश केसरवानी शुजल केसरवानी, अश्वनी शर्मा, राजीव वर्मा , मो फिरोज, मनीष, आदि लोग सभी पर्व पर उपस्थित रहें, सभी सदस्य बारी बारी से ड्यूटी पाइन्ट पर मौजूद रहें सभी उपस्थित लोगो को प्रभारी, उप प्रभारी की तरफ से मेला सम्पन करानें को लेकर सभी सदस्यों एवं अधिकारियो का आभार जताया!

माघी पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व के अवसर पर जिला अपराध निरोधक समिति के सदस्यों ने पुलिस प्रशासन का किया सहयोग

अखंड भारत संदेश

नैनी। माघी पूर्णिमा गंगा स्नान पर्व पर जिला अपराध निरोधक समिति, प्रयागराज के स्वयंसेवक सम्पूर्ण मेला क्षेत्र संगम नोज, गंगा घाटों,पालटून पुलों, हनुमान मंदिर, अरैल ,झूँसी बसअड्डों एवम रेलवे स्टेशनो पर आए हुए श्रद्धालुओं एवम स्नानार्थियों की मुस्तैदी से सेवा में लगे रहे, मेले में दर्जनों भूले भटके लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया एवम कुछ डूबते हुए स्नानार्थियों को जल पुलिस की मदद से बचाया। इसी सेवा में मोबाइल टीमें कुलदीप धर सर जी के नेतृत्व में विशाल श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह रौहित सिंह प्रियंका पराशर, सुनीता मिश्रा, विपिन कुशवाहा और मनीष विश्वकर्मा नैनी अरेल घाट से यातायात को निरन्तर रखने में प्रशासन और जल पुलिस के साथ मिलकर सहयोग में लगी रहीं अपने सदस्यों के साथ यूथ टीम नैनी से यूथ टीम प्रभारी मनीष विश्वकर्मा नेतृत्व में सहयोगी यूथ टीम प्रभारी बलराम मिश्रा क्षेत्रीय कमेटी प्रभारी वंशराज पाल सोनू भारतीय गर्वित श्रीवास्तव सुजीत गौतम मिथिलेश त्रिपाठी राम कुमार

पाल,आदि उपस्थित रहे अन्य डीसीपीसी थाना कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण पंकज कुमार गुप्ता दिनेश कुमार राकेश केसरवानी, संतोष कुमार गुप्ता अजय कुमार रघुवंशी, प्रेमचन्द स्वर्णकार, मनीष निषाद, क्याम उद्दीन, शकील अहमद, निसार अहमद, सरोज चौधरी विभा चौधरी विनोद स्वर्णकार हरविंदर सिंह आतिश कुमार यादव वकार अंसारी मीरा सिन्हा राकेश शर्मा आदि उपस्थित रहे आगे भी शिवरात्रि के पवन पर्व पर गंगा स्नान मैं भी इसी तरह जिला अपराध निरोधक समिति अपनी सेवा आगे भी देती रहेगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत बदौआ कला पाल कोरांव प्रयागराज

निविदा

ग्राम पंचायत बदौआ कला पाल ब्लॉक कोरांव प्रयागराज में पंचम राज्य वित्त,केन्द्रीय वित्त,चौदहवां,पंद्रहवा वित्त,वर्चुअल अकाउंट,मनरेगा द्वारा इंटर लॉकिंग रोड बदौआ कला पाल मे सीसी रोड से राजधर के खेत तक निर्माण कार्य हेतु कार्य लागत 5.38 लाख निर्माण कार्य हेतु दिनांक 5 फरवरी 2023 से 12 फरवरी 2023 तक सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा अधोहस्ताक्षरी के पंचायत सचिवालय भवन बदौआ कला पाल में उपस्थित फर्मों के समक्ष दिनांक 15 फरवरी2023 को खोला जायेगा। फर्मों का जी एस टी नंबर होना अनिवार्य होगा। निविदा स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार समिति के पास होगा। सामग्री की मात्रा ग्राम पंचायत में स्वीकृत प्राक्कलन के अनुसार पृथक पृथक होगा।

सुमन तिवारी)
ग्राम प्रधान
बदौआ कला पाल कोरांव
प्रयागराज

(सशिलेंद्र सिंह)
ग्राम पंचायत अधिकारी
बदौआ कला पाल
कोरांव, प्रयागराज

दुष्कर्म की घटना में लापरवाही पर एसपी हुए तल्ख, प्रभारी निरीक्षक के विरूद्ध सीओ को सौपी जांच

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव में दुष्कर्म के मामले मे पुलिस द्वारा घटना को लेकर विलम्ब से एफआईआर दर्ज करने को लेकर एसपी के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक की लापरवाही पर सीओ को जांच सौपी गयी है। थाना क्षेत्र मे बीती तीस जनवरी को दुष्कर्म की घटना हुई। पीडिता ने थाने पहुंचकर तहरीर दी किंतु जांच के नाम पर पुलिस ने केस दर्ज करने मे हीलाहवाली की। इसके बाद पीडिता एसपी से मिली और आपबीती सुनाई। एसपी की फटकार पर चार फरवरी को पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया। नाराज एसपी ने इस लापरवाही पर लालगंज सीओ रामसूरत सोनकर को प्रभारी निरीक्षक के विरूद्ध जांच सौपी है। रविवार को सीओ रामसूरत सोनकर ने बताया कि दुष्कर्म की घटना पर आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गयी हैं।

माघ पूर्णिमा हजारों की संख्या में श्रद्धालुओ ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। पतित पावनी मां गंगा में रविवार को माघ पूर्णिमा के पावन पर्व पर कालाकांकर के पवित्र गंगा नदी में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य के भागी बने स्नान करने के बाद श्रद्धालुओ ने मां गंगा की पूजन अर्चन किया और दान पुण्य किया गंगातट किनारे बने राधा क्रष्ट बूढ़े शिव लिंग का पूजन अर्चन कर परिवार के सुख समृद्धि की कामना किया।

श्रद्धालुओ की सुरक्षा के लिए महिला व पुरुष सिपाही कर्मी मौजूद रहे राजभवन के पास हल्की फुल्की खाने पीने के साथ अन्य छोटी मोटी दुकाने लगी हुई थी।स्नान होने का सिलसिला दोपहर तक चलता रहा। मौसम खुश मिजाज रहने पर श्रद्धालुओं ने जमकर गंगा में हर हर महादेव, हर हर गंगे का नाम लेकर आस्था की डुबकी लगाई।

कालाकांकर घाट पर आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालुगण।

डीआईओएस ने रानीगंज तहसील के विद्यालयों का किया निरीक्षण, दिये निर्देष

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. ओ.पी.राय द्वारा पट्टी एवं रानीगंज तहसील के कुल 14 विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

यासीनिया इ.का. गनयीडीह, महामाया बालिका इ.का. दीवानगंज, छविराजी देवी इ.का.दीवानगंज, कालूराम इ.का.शीतलागंज, रामप्रसाद इ.का.तरदहा, भारत सिंह इ.का.कुम्भियापट्टी, रामराज इ.का. पट्टी, जीजीआईसी पट्टी, सरदार बल्लभ इ.का. बहुता, इ.का. दाउदपुर, श्रीराम लखन हनुमंत इ.का. उड़ैयाडीह, रानी सूर्य किशोरी इ.का. उड़ैयाडीह, साईं बालिका इ.का. लच्छीपुर एवं स्वामी करपात्रीजी इ.का.रानीगंज में परीक्षा सम्बन्धी तैयारी जैसे स्ट्रांगरुम, सीसीटीवी कैमरा, डबल लाक दो आलमारी आदि का स्थलीय सत्यापन किया गया तथा प्रधानाचार्य को कमियाँ दूर करने के कठोर निर्देश दिए गये। जिले के समस्त परीक्षा केन्द्रों को सेक्टर में बांट कर सत्यापन कराने का निर्णय लिया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया है कि पर्याप्त अवसर देने के बाद भी जिन विद्यालयों ने समस्त तैयारी पूर्ण नहीं की है और सत्यापन में कमियां पायी जाती हैं तो उन विद्यालयों को काली सूची में डालते हुए भविष्य में परीक्षा केन्द्र न बनाने की कार्यवाही भी की जाएगी। जनपद के समस्त प्रधानाचार्यों को निर्देश दिए गयें हैं कि वह अपने विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का परिचय पत्र बनाकर कार्यालय से प्रतिहस्ताक्षरित करा लें।

वांछित अभियुक्त अवैध तमन्चा के साथ गिरफ्तार

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा निरंतर अभियान चलाकर अपराध/अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना पट्टी से उ0नि0 वरिजमय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/चेकिंग के दौरान थाना क्षेत्र के ग्राम बाभनपुर मोड़ के पास से थाना स्थानीय के मु0अ0सं0 41/23/धारा 307, 341, 386, 506, 34 भादिव में वांछित अभियुक्त मोनू चैरसिया पुत्र कमलेश चैरसिया नि0 रेडीगारापुर थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ को एक अदद अवैध तमन्चा 315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया।

विकास के हर क्षेत्र में सदैव मजबूत दिखेगा रामपुर खासः मोना

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने रविवार को यहां कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई की। विधायक मोना ने रामपुर खास विधानसभा क्षेत्र में जलजीवन मिशन के अन्तर्गत निमार्णाधीन पेयजल योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की।

उन्होनें पेयजल योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों मे शुद्ध पीने के पानी की आपूर्ति को लेकर कार्यदायी संस्था को समयबद्धता के साथ गुणवत्ता के भी कडे निर्देश दिये। वहीं विधायक मोना ने कार्यकताओं से मुलाकात करते हुए क्षेत्र मे जारी सडक तथा पेयजल व बिजली समेत विभिन्न विकास परियोजनाओं के

पेयजल योजनाओं की किया समीक्षा

संचालन मे सहयोग मांगा। उन्होनें रामपुर खास को विकास के हर पटल पर राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी की अगुवाई में मजबूत बनाए रखने का भी संकल्प जताया। कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता मोना ने दूध तथा खाद्यान्न सामग्रियों मे लगातार बढती मंहगाई को चिन्ताजनक बताते हुए केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकारों को इन असफलताओं पर भी आडे हाथ लिया। इसके पूर्व विधायक आराधना मिश्रा मोना ने लखनसेनपुर में समाजसेवी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह के संयोजन मे हो रही सामूहिक श्रीराम कथा मे भी शामिल हुई। पूरे हरिकिशुन में शिक्षक बृजेश द्विवेदी के आवास पर पहुंचकर समाजसेविका शिवदुलारी द्विवेदी के निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। विधायक मोना ने बाबा घुइसरनाथ धाम में दर्शन पूजन कर महाशिवरात्रि पर होने वाले राष्ट्रीय एकता महोत्सव की प्रारंभिक तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, प्रमुख अमित सिंह, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, सुधाकर पाण्डेय, केडी मिश्र, भुवनेश्वर शुक्ल, हरिश्चंद्र सरोज, आनंद पाण्डेय, आशीष उपाध्याय, संजय बघेल, आशुतोष मिश्र, रामबोध शुक्ल, मुरलीधर तिवारी, सुनील त्रिपाठी, छोटे लाल सरोज, राजू पाण्डेय, नागेन्द्र सिंह, अल्लन खां आदि रहे।

संत रविदास की 646वी जयंती पर कुन्डा में निकली भव्य शोभा यात्रा

परियावां, प्रतापगढ़। नगर पंचायत कुंडा में रविवार को संत रविदास की 646 वी जयंती बड़े ही धूम धाम के साथ शोभा यात्रा कुंडा नगर पंचायत के गांधीनगर मोहल्ले से निकाली गई। शोभायात्रा में एक दर्जन से अधिक झांकियां व रथ शामिल रहे शोभायात्रा के बाद संत रविदास की जीवन पर प्रकाश डालते हुए बुद्धिजीवियों ने संत रविदास द्वारा जीवन में किए गए कार्य का बखान और गुणगान किया। संत रविदास द्वारा छुआछूत को मिटाने के लिए उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर क्षेत्र के संरक्षक महेंद्र कुमार, अध्यक्ष विष्णु देव गौतम, महासचिव श्यामलाल गौतम, मुख्य अतिथि द्वारका प्रसाद, राकेश कुमार गौतम, बसंत लाल गौतम, डॉ राजाराम गौतम, क्रांति पासी, रंजीत बौद्ध,कैलास कुमार एडवोकेट कुंडा,अकृता यादव आदि लोग मौजूद रहे।

भारत ने सदैव आध्यात्मिक व राजनीतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया: कष्यप

पूरे नरसिंह भान में भारतीय स्वातन्त्र्य एवं प्रतिरोध विषयक विचार गोष्ठी सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय इतिहास संकलन समिति काशी, उत्तर प्रदेश की प्रतापगढ़ इकाई द्वारा भगवान निकेतन, पूरे नरसिंह भान में भारतीय स्वातन्त्र्य एवं प्रतिरोध विषयक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ माँ भारती एवं बाबा साहब आप्टे के चित्र पर पुष्पार्चन से हुआ।

मुख्य वक्ता के रूप में समिति के महासचिव प्रोफेसर प्रशान्त कश्यप ने कहा कि भारत सनातन राष्ट्र रहा है जिसने विश्व को आध्यात्मिक जीवन मूल्यों के साथ राजनीतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाया। प्राचीन काल से ही शक, कुषाण, यवन, हूण, अरब, मुगल, अंग्रेज आदि अनेकों विदेशी आक्रान्ता भारत आये किन्तु सनातन संस्कृति का प्रवाह निर्बाध रहा। वाह्लीक से बंग, हेरात से हिन्द महासागर तक भारत एक रहा। कभी भी पूरी तरह पराजित नही हुआ। डॉ प्रियंका सिंह ने अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह प्रामाणिक एवं तथ्यपरक इतिहास लेखन में निरत विद्वत्जनों का संगठन है। पहले अंग्रेज तदोपरांत अंग्रेजी मानसिकता वाले भारतीयों ने भारत के गौरवशाली इतिहास को विकृत करने का प्रयास किया। आज योजना के नेतृत्व में सत्यान्वेषी राष्ट्रवादी इतिहास की निर्मिति का क्रम चल रहा है। एतदर्थ प्रांतों में इतिहास संकलन समितियों का गठन किया गया है। काशी प्रांत के तत्वाधान में इतिहास विद्या, पुराणांतर्गत इतिहास, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था, प्रतिरोध का इतिहास, जनपदीय इतिहास व जनजाति इतिहास जैसे आकादमिक आयामों पर कार्य करने का निर्णय लिया गया है। जनपदीय कार्यकारिणी के पुनर्गठन के अन्तर्गत डॉ सर्वेश कुमार सिंह अध्यक्ष, डॉ सुशील द्विवेदी उपाध्यक्ष, डॉ रमेश विश्वकर्मा महासचिव तथा डॉ रवि प्रताप सिंह सचिव/कोषाध्यक्ष चुने गये। संयोजन तथा संचालन इतिहास संकलन समिति काशी के प्रान्तीय उपाध्यक्ष प्रोफेसर पीयूष कान्त शर्मा का रहा। प्रोफेसर जीतेन्द्र तिवारी, डॉ विनय विश्वकर्मा,डॉ वंदना सिंह, डॉ महेन्द्र मिश्रा, डॉ अनामिका सिंह, राजेश मिश्रा ने समिति की आजीवन सदस्यता ग्रहण की।

विचार गोष्ठी में बोलते डा0 पीयूशकांत शर्मा।

प्रतिष्ठित साहित्यकारों को साहित्यिक संस्था सृजना ने किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

बेल्हा साहित्य के नवरत्न का हुआ लोकार्पण

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ० दयाराम मौर्य रत्न कृत बेल्हा-साहित्य के नवरत्न का लोकार्पण एवं भारत के अनेक क्षेत्रों से पधारे लब्ध प्रतिष्ठित साहित्यकारों का सम्मान समारोह शारदा संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में सम्पन्न हुआ। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत शारदा संगीत महाविद्यालय की विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया। स्वागत भाषण एवं लोकार्पित कृति की समीक्षा डॉ०दयाराम मौर्य रत्न ने की। तदोपरान्त बेल्हा साहित्य के नवरत्न कृति,बच्चों की प्यारी बगिया एवं काव्यामृत का लोकार्पण किया गया।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से पधारे विद्वत साहित्यकारों राम निवास पंथी (रायबरेली), डॉ० अर्जुन पांडेय (अमेठी), डॉ० हरिश्चंद्र शाक्य (मैनपुरी), बेचन लाल गुप्ता विनोदी (प्रयागराज), डॉ० अम्बिकेश त्रिपाठी मानस रत्न (प्रतापगढ़), डॉ० आजेन्द्र प्रताप सिंह (रायबरेली), प्रतिभा इंदु (राजस्थान), डॉ० रिंकी सिंह तथा पवन कुमार सिंह (सुलतानपुर) का सारस्वत सम्मान किया गया। साहित्यिक कृति बेल्हा साहित्य के नवरत्न में सम्मिलित साहित्यकारों को उनकी उपलब्धि के लिए डॉ०दयाराम मौर्य रत्न, राधेश्याम दीवाना, लखन प्रतापगढ़ी, अनिल कुमार निलय, श्रीनाथ मौर्य सरस, कुंजबिहारी काकाश्री, प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम,आचार्य अनीस देहाती तथा अमरनाथ गुप्ता बेजोड़ को उत्कृष्ट साहित्य लेखन हेतु ह्यूमन सर्विस ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा सारस्वत सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए निदेशक मानविकी विद्या शाखा उ०प्र० राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज डॉ० सत्यपाल तिवारी ने कहा बेल्हा साहित्य के नवरत्न साहित्य का एक ऐतिहासिक अभिलेख है। विशिष्ट अतिथि विज्ञान भूषण विजय चितौरी ने कहा कि बेल्हा साहित्य के नवरत्न साहित्य के लिए एक अद्वितीय ऐतिहासिक धरोहर है। इस अवसर पर शाक्य प्रकाशन मैनपुरी द्वारा डॉ०दयाराम मौर्य रत्न को आजीवन उपलब्धि सम्मान एवं प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम को कथा सम्राट सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनिल कुमार निलय द्वारा किया गया। इस अवसर पर रोशनलाल ऊमर वैश्य, आनंद मोहन ओझा, आलोक कुशवाहा, अशोक कुमार तिवारी, विनोद पांडेय, राजेश मिश्र, रीतिका मौर्य, माया त्रिपाठी, शशि मौर्य, बीना श्रीवास्तव, विवेक आदि मौजूद रहे।

साहित्यिक संस्था सृजना द्वारा सम्मानित साहित्यकारगण।

पति से अनबन को लेकर विवाहिता ने की आत्महत्या

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। पति से अनबन के चलते विवाहिता ने मायके में जहरीला पदार्थ निगलकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए रविवार को जिला अस्पताल भेजवाया। लालगंज कोतवाली के कोल वन कैथौला निवासी महन्थ खां की पुत्री शबाना 35 की शादी बीते 2012 में लीलापुर थाने के सिंधौर गांव मे समशाद के साथ हुई थी। मृतका के एक दस वर्ष तथा एक आठ वर्ष की दो सन्तानें हैं। मृतका का पति से पिछले एक वर्ष से अनबन चल रहा था। हालांकि मृतका की दोनों संताने उसके पति के साथ ही रहते हैं। इधर मृतका घटना के दो दिन पूर्व ससुराल गयी थी। वहां पति ने उसे घर मे रखने से इंकार कर दिया। शनिवार की शाम मृतका कैथौला बाजार गयी थी। वहीं जहरीला पदार्थ लेकर निगल लिया। उसकी हालत बिगडने पर परिजन उसे इलाज के लिए लालगंज ले आये। यहां से हालत गंभीर देख चिकित्सको ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। रास्ते मे ही मृतका ने दम तोड दिया। इसके बाद मायके के लोग मृतका का शव लेकर घर लौट आये। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कराकर रविवार को जिला अस्पताल भेजवाया। पुलिस का कहना है घटना मे अभी कोई तहरीर नही मिली है, पीएम रिर्पोट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

तीन वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जनपद के थाना लीलापुर से उ0नि0 शत्रुघन वर्मा द्वारा देखभाल क्षेत्रभ्तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर वारण्टी अभियुक्त गुड्डू सरोज पुत्र श्याममलाल नि0ग्राम कटकावली थाना लीलापुर जनपद प्रतापगढ़ को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। उधर जनपद के थाना अन्तू से उ0नि0 कौशलपति उ0नि0 शुभनाथ साहनी मय हमराह द्वारा देखभाल क्षेत्र/तलाश वांछित वारण्टी अभियुक्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर उच्च न्यायालय इलाहाबाद खण्डपीठ लखनऊ धारा 135 विद्युत अधिनियम से संबंधित दो वारण्टी अभियुक्त राम आसरे पुत्र रामदेव नि0 ग्राम पाराहमीदपुर थाना अन्तू जनपद प्रतापगढ़ व शत्रुघन धुरिया पुत्र जगदीश नि0 ग्राम मकईपुर थाना अन्तू जनपद प्रतापगढ़ को उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

लौरिया महाविहार का भिख्खु संघ द्वारा किया गया भूमिपूजन

अखंड भारत संदेश

संत रविदास जयंती पर हुआ कार्यक्रम

प्रतापगढ़। छेमर सरैया के घासीपुर में रविवार को लौरिया महाविहार हेतु लहुरीराम-देवकली द्वारा दान दी गयी जमीन पर पूज्य भिख्खु करुणा रक्खित, भिख्खु कमलशील जी, भिख्खु विनय कीर्ति, भिख्खु शील रतन ज्योति, भिख्खु सीलरत्न, भन्ते प्रज्ञा रक्खित, भन्ते अश्वजीत के कर कमलो द्वारा भूमि पूजन किया गया।

पूज्य भिख्खु संघ द्वारा बुद्ध बंदना त्रिसरण, पंचशील, धम्म देशना के उपरांत संघ को लहुरीराम-देवकली, शिवकुमार-कमलेश कुमारी, अशोक-उमा जी, विनोद कुमार-प्रेमा देवी द्वारा लौरिया महाविहार हेतु भूति दान करने के उपरांत भूमि पर शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राकेश कनौजिया तथा लहुरीराम ने किया। कार्यक्रम मे दौलतराम जी,सुशील कुमार दद्दू, राजेश नागर, सत्य प्रकाश भास्कर, राम प्रकाश प्रधान कौशांबी, लीलावती, जय प्रकाश, सुशीला कश्यप, साधना बौद्ध, मनोज कुमार, आचार्य विनय शील संत रविदास नगर,अर्जुन कुमार, महेश मणि, हीरालाल, सूरज कुमार, दिनेश कुमार, विनोद सरोज, राजेश सरोज आर.के.राव, गिरिजा नंद कनौजिया, रामधन, अनंत राम, राजेन्द्र, डा.जोखनलाल, आचार्य संजय भदोही, सुरेन्द्र विमल, ज्ञान प्रकाश, सी.पी.राव, डा0 भारत सिंह, राम मिलन, लालमणि, आलोक कुशवाहा, राम सूरत, विमल बौद्ध, संजय कुमार, सदल कोरी, राकेश कुमार, राहुल देव आदि धम्म के प्रति आस्था प्रकट करते हुए लौरिया महाविहार में अपना पूरा योगदान देने का संकल्प लिए।

भूमिपूजन करते भिख्खु संघ के पदाधिकारी।

भयहरणनाथ धाम में 23वां महाकाल महोत्सव 16 से

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पान्डव कालीन भयहरण नाथ धाम मे महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर गत वर्षो की भांति 23 वें महाकाल महोत्सव का भव्य आयोजन 16 से 19 फरवरी तक जन सहयोग तथा लोक भागीदारी से होगा। महोत्सव व महाशिवरात्रि मेले मे विकास व प्रशासनिक विभागो को सुव्यवस्था हेतु उप जिला मजिस्ट्रेट सदर ने सख्त आदेश जारी किया है। सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर के संयोजन में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में विविध सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होंगे।

पैसा निकालने वाले दूसरे आरोपी को पुलिस ने दबोचा

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगज थाना क्षेत्र के बरमौली के पासिन का पुरवा निवासी कांती, अर्चना व सपना का आधारकार्ड से ई श्रम खाता को लिंक कराने के नाम पर फिंगर मशीन पर अंगूठा लगाकर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा बरमौली के खाता से 10-10 हजार रुपया 31 जनवरी 23 को निकालने वाले तीन अभियुक्तो में से एक अभियुक्तो को शनिवार व दूसरे अभियुक्त को रविवार को नवाबगज पुलिस ने हिरासत में ले लिया जिनसे तीसरे अभियुक्त के बारे में जानकारी हासिल कर रही है जो पुलिस पकड़ से बाहर है।उधर खाता से पैसा निकल जाने से पीड़ित महिलाये पुलिस से अपना पैसा वापस दिलाने के लिए थाने का चक्कर लगा रही है। लेकिन अभी तक पुलिस कोई नतीजे पर नहीं पहुची जिससे महिलाओं का पैसा वापस मिल सके। बहरहाल तीसरे अभियुक्त के पकडे जाने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

बच्चा बैंक की टीम ने खोज निकाली गायब रेल संपत्ति

अखंड भारत संदेश

जौनपुर रायबरेली एक्सप्रेस का ट्रेन लैंप हो गया था गुम

प्रतापगढ़। जौनपुर-रायबरेली एक्सप्रेस ट्रेन में गार्ड के डिब्बे के पीछे लगने वाला ट्रेन लैंप गायब हो गया था। जिसकी कीमत हजारों रुपए थी, उसको बच्चा बैंक फ्रेंड्स

बीबीएफजी के लोगों को ट्रैक से मिला लैंप, आरपीएफ को सौंपा

ग्रुप, बीबीएफजी के छात्रों ने खोज निकाला और उसे रेलवे सुरक्षा बल को सौंप दिया। खोई हुई रेल संपत्ति पाकर बल के इंस्पेक्टर और उनका स्टाफ काफी खुश नजर आया। उन्होंने छात्रों के कार्य की सराहना की। बच्चों को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

घटना शनिवार देर रात की है। हुआ यूं कि जौनपुर से रायबरेली जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का ट्रेन लैंप भंगवा गांव के निकट बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप द्वारा संचालित निशुल्क स्टडी सेंटर के सामने ट्रैक पर गिर गया था। गार्ड को इसकी भनक तक नहीं लगी। चिलबिला स्टेशन पार करते समय पोर्टर की नजर गार्ड के डिब्बे पर गई। उसे ट्रेन लैंप नहीं दिखाई दिया। उसने फौरन इसकी सूचना गार्ड को दी। रायबरेली पहुंचने पर गार्ड ने कंट्रोल और लाबी कंट्रोलर को लैंप गायब होने की सूचना दी। मैसेज मिलने पर प्रतापगढ़ में आरपीएफ की धड़कन बढ़ गई। फोर्स के लोग लगे लैंप ढूंढने। लेकिन मिला नहीं। बताया जाता है कि इसकी जानकारी बच्चा बैंक के स्टडी सेंटर के प्रिंसिपल शनि सरोज और छात्रों को हुई तो वे सभी आरपीएफ की मदद करने के लिए ट्रैक पर लैंप खोजने लगे। उन्हें लाल रंग की एक वस्तु ट्रैक पर पड़ी दिखाई दी। शनि ने बताया कि वे नजदीक गए तो देखा लैंप था। उन्होंने इसकी सूचना आरपीएफ को भिजवाई और छात्रों को साथ लेकर खुद ही लैंप देने थाने पहुंच गए। लैंप पाने के बाद इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा तनाव मुक्त नजर आए। उन्होंने कहा कि बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप ने अच्छा कार्य किया है। उन्होंने छात्रों का मुंह मीठा कराया। उन्हें पुरस्कृत किए जाने की बात कही।

आरपीएफ थाने पर ट्रेल लैंप सौंपते बच्चा बैंक के छात्र।

नहीं रहे बेल्हा देवी के पुजारी राजा पण्डा

प्रतापगढ़। बेल्हा देवी के पुजारी राजा पण्डा का लम्बी बीमारी से निधन हो गया। उनके निधन के समाचार से लोगों ने गहरा शोक जताया है। बहुत दिनों से वह बेल्हा देवी मंदिर में रहकर पूजा अर्चन किया करते थे। विगत कुछ दिनों से वह बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर धमार्चार्य ओम प्रकाश पाण्डेय, अवकाश प्राप्त शिक्षा अधिकारी श्रीराम मिश्रा सहित अनेक नेताओं व सामाजिक लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

खबर संक्षेप

निरोधात्मक कार्यवाही में 07 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना पश्चिम शरीरा से एक थाना पिपरी से चार थाना सैनी से दो कुल 07 अभियुक्तो को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय किया गया।

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्नथानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमे यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 61 वाहनों का ई-चालान किया गया तथा एक वाहन से 500 रुपए सम्मन शुल्क वसूला गया।

छप्पर में आग लगने से 3 साल की बच्ची जिन्दा जली

अग्निकांड की घटना में एक गाय भी आग से बुरी तरह झुलस गई

रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बहादुर पुर गांव में रविवार को करीब 5 बजे अचानक एक छप्पर में आग लगाने से 3 साल की बच्ची जिन्दा जल गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई और साथ ही एक गाय आग से बुरी तरह झुलस गई । घटना के समय बच्ची छापर में लेटी थी और छप्पर में आचनक आग लग गई आग इतनी भयानक थी की कोई कुछ समझ पाता तब तक सब कुछ जल कर खाक हो चूका था गांव वालों की माने तो जब आग लगी तो केवल चार पांच बच्चे छप्पर के पास खेल रहे थे और कोई भी बड़े परिजन वहा पर मौजूद नही थे इस वजह से आग किन कारणों से लगी इसकी कोई पुष्टि नहीं हो सकी । घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है। गौरतलब है कि बहादुर पुर गांव निवासी राम बाबू पासी भट्ठे पर मेहनत मजदूरी कर के अपने परिवार का भरण पोषण करता है उसके परिवार में राम बाबू के चार बच्चे जिसमें से 3 बेटे जिनका नाम संदीप, गुड्डू , और कुल्लू है और एक बच्ची जिसका नाम नंदनी था नंदनी की इस घटना में जलने से मौत हो चुकी है। इस घटना से राम बाबू और उसके परिवार का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की सुचना पर पहुंची चरवा थाना पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आर्टिका कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर गंभीर घायल

हादसे के बाद आर्टिका कार चालक वाहन समेत घटनास्थल से हुआ फरार, घायल अधेड़ को इलाज के लिए कराया गया निजी अस्पताल में भर्ती

हर्रायपुर कौशांबी। सांदीपन घाट थाना क्षेत्र के कोइलहा हड्डी फैक्ट्री के पास बाइक सवार अधेड़ को तेज गति आर्टिका कार ने जोरदार टक्कर मार दिया है जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा है और गंभीर घायल हो गया है हादसे की जानकारी लगते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल पर पहुंचे हैं मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई है सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद आर्टिका कार चालक वाहन समेत घटनास्थल से फरार हो गया है। घटनाक्रम के मुताबिक संदीपन घाट थाना क्षेत्र के गोदाम पर गांव निवासी शुभम के पिता रविवार की दोपहर लगभग 11:00 बजे बाइक से पूरा मुफ्ती की ओर जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार कोइलहा की हड्डी फैक्ट्री के पास पहुंचे तेज गति अनियंत्रित आर्टिका कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी है जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और लहूलुहान होकर तड़पने लगे चीख पुकार सुनकर राहगीर घटनास्थल पर रुक गए मामले की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे हादसे की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस पहुंची है और घायल अधेड़ को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है बताया जाता है कि हादसे में घायल अधेड़ का दोनों पैर टूट गया है जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए हैं हादसे के बाद आर्टिका कार चालक वाहन समेत घटनास्थल से फरार हो गया है।

स्वच्छता अभियान को लेकर नगर पालिका परिषद ने सफाई कर्मियों के साथ निकाली जागरूकता रैली

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत अंतर्गत नगर पालिका परिषद मंझनपुर में विशाल रैली का आयोजन कस्बे में किया गया रैली के आयोजन में अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार मिश्रा और प्रशासक के साथ-साथ नगर पालिका के लिपिक कर्मचारी सफाई कर्मियों ने भी सड़कों पर स्वच्छता अभियान के नारे लगाते हुए नगर वासियों को सफाई पर जोर दिया है नगर पालिका परिषद कार्यालय से निकाली गई रैली तहसील होते हुए मंझनपुर चौराहा से होकर नगर के विभिन्न मोहल्लों में भ्रमण कर नगर वासियों को साफ-सफाई रखने के टिप्स बताए हैं डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका परिषद मंझनपुर ने स्वच्छता स्लोगन व

नगर पालिका की रैली

नारों के साथ स्वच्छता रैली निकालकर जनसमुदाय को जागरूक किया स्वच्छता रैली के पूर्व एक संगोष्ठी कर लोगो को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया इस दौरान अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार मिश्रा ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का विकास होता है हम सभी का नैतिक कर्तव्य कि हम सभी स्वच्छता की राह में एक कदम आगे बढ़ाएं एवं नगर पालिका का हर घर कूड़ा करकट सड़क पर ना फेंके सभी नगर वासी नियमित समय पर आने वाली कूड़ा गाड़ी में ही कूड़े को फेंके ताकि हमारा नगर स्वच्छ रहें और लोग इसकी मिसाल दें वक्ताओं ने कहा कि लोगो को जागरूक करते हुए उन्हें अपने घर के साथ साथ पास पड़ोस के लोगों को भी स्वच्छता रखने के प्रति जागरूक करें अधिशाषी अधिकारी ने क्षेत्रवासियों को बताया कि शहर में सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए कूड़ा गाड़ियां मंगाई हैं। यह गाड़ियां मोहल्लों में डोर टू डोर जाकर कूड़ा एकत्र करेंगी इस अभियान से नगर में स्वच्छता का माहौल रहेगा और नगरवासियो को कूड़ा करकट फेंकने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा इस योजना से कस्बे की साफ-सफाई चाक चौबंद रहेगी। गलियों व सड़कों पर कूड़ा नही पड़ा रहेगा इस दौरान नगर पालिका मंझनपुर के लिपिक समेत सफाई कर्मी और नगर के तमाम लोग मौजूद रहे।

बदमाश की उंगली काट कर महिला पहुंची थाने

महिला से जेवर छीनने का बदमाशों ने किया प्रयास

करारी कौशाम्बी। करारी थाना क्षेत्र के नौबस्ता म्योहर के पास घर जा रही एक महिला से उसके जेवर छीनने का प्रयास बदमाशों ने किया है छीना झपटी के दौरान महिला ने बदमाशों की उंगली दांत से काट ली है जिससे बदमाश की उंगली कटकर महिला के मुंह में रह गयी कटी उंगली लेकर महिला थाने पहुंच गई है और पूरे प्रकरण की जानकारी दी है महिला के साहस की हर व्यक्ति तारीफ कर रहा है पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ लूट की प्रयास का धारा लगाने के बजाय 354 में मुकदमा लिख लिया है हालांकि खबर लिखे जाने तक बदमाशों की सुराग रस्सी पुलिस नहीं लगा सकी है महिला करारी थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बताई जाती है।

दुष्कर्म के चार वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा दो वांछित अभियुक्तो मिथिलेश पुत्र शिवनाथ निवासी ग्राम बारा थाना धाता जनपद फतेहपुर व देशराज पुत्र नत्थू निवासी कूलौली थाना मंझनपुर को ओसा चौराहे के पास महेवाघाट रोड से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

इसी प्रकार थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त गुड्डू सरोज पुत्र रामसूरज उर्फ भोड़े निवासी हसनपुर पूरव मजरा गिरधरपुर थाना कोखराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना करारी पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त धर्मेन्द्र कुमार पुत्र दयाराम लोध निवासी मुकीमपुर थाना करारी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

एन डी कान्वेंट स्कूल एंड कॉलेज में आयोजित हुआ ग्रैंड पेरेंट्स को समर्पित वार्षिकोत्सव 2023

बच्चे भी पूरे रोमांचित हो करके अपने कार्यक्रम के प्रदर्शन को लेकर के बहुत ही रोमांचित दिखाई दे रहे थे संस्थान के चेयरमैन पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता ने कहा कि शिक्षा सदैव एक सेतु का कार्य करती है

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। भरवारी स्थित एन. डी कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज में वार्षिक उत्सव 2023 का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ जो कि ग्रैंड पेरेंट्स के लिए समर्पित था। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के चेयरमैन पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने मां सरस्वती की पूजा ,अर्चना, वंदना के साथ शुरू की बहुत ही मनोहर दृश्य इस कार्यक्रम में देखने को मिला हर तरफ उत्साह उमंग देखने को इस कार्यक्रम में मिल रहा था एक तरफ जहां बच्चों के दादा दादी, नाना नानी, पापा मम्मी का जनसैलाब इस कार्यक्रम में उमड़ रहा था वही बच्चे भी पूरे रोमांचित हो करके अपने कार्यक्रम के प्रदर्शन को लेकर के बहुत ही रोमांचित दिखाई दे रहे थे स्टेज पर सभी कार्यक्रम के बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में सबसे पहले सरस्वती वंदना की शुरूआत हुई लग रहा था जैसे मां सरस्वती स्वयं स्टेज पर आ गई हो तत्पश्चात गणेश वंदना कार्यक्रम का स्टेज पर मंचन हुआ क्लास जूनियर केजी के बच्चों ने स्टेज के माध्यम से ग्रैंडपेरेंट्स का वेलकम किया वह कृष्णा है सॉन्ग पर जूनियर केजी के बच्चों ने बहुत ही शानदार प्रदर्शन स्टेज के माध्यम से किया क्लास फोर्थ और क्लास फिफ्थ एंड. डी. कन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज के बच्चों ने दादाजी की छड़ी सॉन्ग पर आए हुए अपने सभी ग्रैंडपेरेंट्स को भाव विह्वल कर दिया वही क्लास 7इँ और 8 इँ के बच्चों ने आज शिक्षा पद्धति की जो समस्याएं हैं और उसका क्या समाधान हो सकता है इस थीम पर बहुत ही ज्ञानवर्धक स्टेज का मंचन किया वही क्लास नर्सरी के बच्चों ने चंदा ने पूछा तारों से कार्यक्रम में सभी पेरेंट्स की आंखें नम हो जाए

एनडी कॉन्वेंट स्कूल में कार्यक्रम प्रस्तुत करते स्कूली बच्चे

ऐसा कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी को भावविभोर कर दिया और सबकी आंखें नम दिखाई दे रही थी इस कार्यक्रम को देख कर के वहीं सीनियर केजी के बच्चों ने लिखे जो खत तुझे फनी डांस करके कार्यक्रम में हंसी और रोमांच का माहौल पैदा कर दिया वही मदर थीम पर क्लास फर्स्ट के बच्चों ने ऐसा एक्ट किया कि सभी मम्मीयों की आंखें खुशी से नम हो गई और अंत में भक्ति देश भक्ति का ऐसा मंचन स्कूल के बच्चों ने किया कि वहां उपस्थित पूरा जनसमूह अपने स्थान पर खड़ा होकर के तालियों की गूंज से सभी बच्चों का स्वागत किया उनके इस शानदार प्रदर्शन के लिए संस्थान के चेयरमैन पूर्व विधायक संजय कुमार गुप्ता ने अपने अभिभाषण के दौरान कहा कि यह कार्यक्रम इस संस्थान के पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं के ग्रैंडपेरेंट्स के लिए समर्पित था और इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रैंड पेरेंट्स और उनके बच्चों के बीच आत्मीयता को मजबूत कड़ी देने वाला कार्यक्रम था यह कार्यक्रम शिक्षाप्रद था हर व्यक्ति को शिक्षा का अधिकार है शिक्षा सदैव एक सेतु का कार्य करती है जो समाज के हर वर्ग को जोड़ने का कार्य करती है समाज के प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना हो जाए इस पर भी हमें सार्थक पहल करनी चाहिए कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक चेयरमैन संजय कुमार गुप्ता ने अपने सभी बच्चों, शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की भूरी भूरी प्रशंसा किया और कहा कि आपकी यह कड़ी मेहनत बच्चों के भविष्य का निर्माण सुंदर तरीके से करेगी और यही बच्चे समाज में एक मजबूत स्तंभ बनेंगे। कार्यक्रम के दौरान वाइस चेयरपर्सन सपना गुप्ता केपीएस किड्जी फाउंडर देव बाबू गुप्ता संस्थान की डायरेक्टर सीमा पवार डिप्टी डायरेक्टर एवं एन डी कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ मयंक मिश्रा केपीएस भरवारी के प्रिंसिपल रत्नाकर शर्मा किडजी प्रिंसिपल शिवांगी केसरवानी कोऑर्डिनेटर दीपक मिश्रा उप प्रधानाचार्य आरपी चतुर्वेदी सुशील त्रिपाठी गायत्री चावला एवं समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाएं एवं केपीएस फाउंडर देव गुप्ता, प्रेमचंद गुप्ता, पूर्व चेयरमैन भरवारी गंगा प्रसाद, पितांबर लाल केशरवानी, रमेश अग्रहरी, अशोक केसरवानी, करुणेश त्रिपाठी, सूरज यादव, पिंटू कुशवाहा, कादिर अली, साहेब जादे, सोनिया राजपूत सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

गिरफ्तारी को बीते कई दिन दलित बालिका का अपहरण करने वाले नहीं भेजे गए जेल

पीड़ित बालिका से आरोपी के परिजनों को मिलने की छूट देने वाली पुलिस माता-पिता से बालिका को मिलने पर लगा रही रोक

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के खोपा गांव से 31 दिसंबर को एक दलित नाबालिंग बालिका को प्रेम जाल में फंसा कर बहला-फुसलाकर गांव का युवक भगा ले गया था काफी प्रयास के बाद बीते सप्ताह बालिका को बरामद कर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है दलित नाबालिग बालिका का मेडिकल परीक्षण 164 और 161 का बयान पुलिस ने करा लिया है लेकिन पूरी कार्यवाही हो जाने के बाद भी बालिका को अपहरण कर ले जाने वाले युवक को पुलिस ने अभी तक जेल नहीं भेजा है जिससे सराय अकिल पुलिस की इस कार्यवाही पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं बताया जाता है कि बालिका को तरह-तरह से बयान बदलने के लिए आरोपी युवक के परिजन प्रयास कर रहे है बालिका के बरामद होने के बाद आरोपी युवक के परिजन लगातार बालिका से संपर्क भी बनाए हुए है पुलिस सुपुर्दगी में और महिला स्टाफ वन सेंटर के सुपुर्दगी में बालिका के मौजूद होने पर 2 दिन लगातार आरोपी युवक के परिजन पूरे दिन जिला अस्पताल में मौजूद दिखाई पड़े हैं पुलिस ने आरोपी युवक के परिजनों को बालिका से मिलने पर रोक नहीं लगाई है जबकि नाबालिग दलित बालिका के माता-पिता अपनी बेटी से मिलने के लिए बेचैन है नाबालिग दलित बालिका की बरामदगी के बाद एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी नाबालिंग बालिका के माता-पिता से बालिका को पुलिस ने नहीं मिलने दिया है यहां तक कि वन स्टाप सेंटर में भी बालिका के माता-पिता से नाबालिंग बालिका को नहीं मिलने दिया जा रहा है योगी सरकार में यह कैसी कानूनी व्यवस्था है कि पीड़ित बालिका अपने माता-पिता से नहीं मिल सकती है पीड़ित बालिका के माता-पिता से यह कहा जा रहा है कि वह बालिका पर दबाव डालकर गलत बयान कराने के लिए उसे विवश करेगी जबकि आरोपी युवक के परिजन लगातार पीड़ित बालिका से मिलकर बयान बदलने के लिए उस पर तरह-तरह के दबाव बना रहे हैं। थाना पुलिस से लेकर वन स्टॉप सेंटर की भूमिका पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं पीड़ित बालिका के माता पिता ने एसपी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए आरोपी युवक को जेल भेजने की मांग की है।

न्यूज झरोखा

धूम धाम से मनाई गई संत रविदास जयंती

कौशाम्बी। विकास खण्ड मंझनपुर के ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर में बहुजन मुक्ति पार्टी के नेतृत्व में रविवार को संत शिरोमणि रविदास जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता एडवोकेट मनका प्रसाद ने किया इस अवसर पर जगह जगह पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोगों ने संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।जिसमें कार्यक्रम का आयोजन करारी क्षेत्र के तियरा जमालपुर गांव में किया गया कार्यक्रम में सैकड़ों लोग एकत्रित हुए।कार्यक्रम की अध्यक्षता एड0 मनका प्रसाद ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में कुलदीप सिंह लोधी , जिला पंचायत सदस्य नरेन्द्र कुमार अजय कुमार प्रजापति , श्रीपाल गौतम , लालमणि आदि लोग मौजूद रहे। सभी लोगों ने अपनी बात समाज में रखी।उन्होंने समाज को शिक्षित , संगठित एवं संघर्षशील बनकर अपने समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

जिला पंचायत की सड़क बनते ही हो रही खराब

दानपुर कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के दानपुर पेट्रोल पम्प के पास से छिमीरछा पथरा मार्ग का निर्माण जिला पंचायत द्वारा डेढ़ वर्ष पूर्व कराया गया था घटिया क्वालिटी के सड़क निर्माण के चलते यह सड़क बनते ही खराब हो गई है और इन दिनों सड़क की हालत यह है कि पूरे सड़क में गड्ढा है बारिश के महीने की तो बात छोड़िए जाड़ा और गर्मी के दिनों में भी इस सड़क में जगह-जगह पानी भरा रहता है जिससे लोगों को आने जाने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है। जिला पंचायत द्वारा दानपुर पेट्रोल पंप के पास से बनवाई गई छिमीरछा पथरा मार्ग के निर्माण में ठेकेदार की धांधली के की शिकायत कई बार ग्रामीणों ने अधिकारियों से की लेकिन जिला पंचायत के अधिकारी और अध्यक्ष ने ठेकेदार के भ्रष्टाचार की जांच कराकर उसे दंडित कर काली सूची में डालने का काम नहीं किया है जिससे जिला पंचायत के जिम्मेदारों की भी भूमिका सवालों के घेरे में खड़ी हो रही है क्षेत्र के लोगों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क का निर्माण कराए जाने और पूर्व में निर्मित सड़क में धांधली की जांच कराकर ठेकेदार और जिला पंचायत के अधिकारियों को दंडित किए जाने की मांग की है

तीसरे दर्जे के घटिया क्वालिटी के ईट से कराया जा रहा है नाला निर्माण

कोखराज। कौशाम्बी क्षेत्र पंचायत सिराथू की निधि से कराए जाने वाले कार्यों में इन दिनों ठेकेदारों की धांधली चरम पर व्याप्त है बेखौफ तरीके से घटिया सामग्री का उपयोग कर क्षेत्र पंचायत निधि से कार्य कराए जा रहे हैं जिससे कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे लेकिन उसके बाद भी आला अधिकारी बेखबर है घटिया क्वालिटी के निर्माण के चलते समय से पूर्व निर्माण ध्वस्त हो रहे हैं जिससे योगी सरकार की विकास योजनाएं चौपट होती दिख रही है लेकिन उसके बाद भी घटिया निर्माण में लगे ठेकेदारों के कारनामों की जांच करा कर भ्रष्टाचार को रोकने का प्रयास आला अधिकारियों द्वारा नहीं किया जा रहा है सवाल उठता है कि घटिया निर्माण में लगे ठेकेदारों के बचाव कौन कर रहा है जिससे घटिया निर्माण में लगे ठेकेदारों पर कार्यवाही नहीं हो रही है ग्रामीणों ने बताया कि सिराथू विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत ककोढा में जीवन शुक्ला के घर से तालाब तक लगभग ढाई सौ मीटर नाला का निर्माण ठेकेदार द्वारा 4 दिनों पूर्व शुरू किया गया है देखते-देखते 4 दिन के बीच घटिया सामग्री से आधा से ज्यादा नाला का निर्माण ठेकेदार ने कर दिया है लाखों की लागत से बनने वाले इस नाला के निर्माण में ईट भट्ठे की सबसे घटिया क्वालिटी की तीसरे दर्जे की पीली ईट का प्रयोग किया जा रहा है जबकि घटिया क्वालिटी के पीले ईट का प्रयोग सरकारी कार्यों में किए जाने पर पूरी तरह से उत्तर प्रदेश सरकार ने रोक लगा रखी है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के रोक लगाए जाने के बाद भी ठेकेदार तीसरे दर्जे की पीली ईट से नाले का निर्माण कर रहा है। अभी तक घटिया निर्माण को रोकने के लिए क्षेत्र पंचायत के अधिकारियों से लेकर जिले के अधिकारियों ने मौके की स्थिति की जांच कर घटिया निर्माण पर रोक लगाते हुए ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट कर भुगतान पर रोक नहीं लगाई है जिससे अधिकारियों के भ्रष्टाचार में संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता है इसी तरह सिराथू क्षेत्र पंचायत के निधियांवा ग्राम पंचायत में भी घटिया क्वालिटी का नाला निर्माण कर लाखों रुपए की रकम हजम करने में ठेकेदार और अधिकारी लगे हैं इलाके के लोगों ने योगी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए घटिया निर्माण को ध्वस्त करा कर ठेकेदार के कारनामों की जांच करते हुए से ब्लैक लिस्ट करने और नाला निर्माण के लिए स्वीकृत की गयी लगभग 10 लाख रुपए रकम के भुगतान पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

भारत के विश्व विख्यात त्वचा रोग विशेषज्ञ चिकित्सक 6 फरवरी को भरवारी में

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के मेहता रोड स्थित बृजेश मेमोरियल असप्ताल में भारत के मशहूर वा अपने कार्य शैली में महारथ हासिल कर चुके त्वचा रोग विशेषज्ञ 6 फरवरी दिन सोमवार को पहुँच रहे है 'जिस किसी मरीज को त्वचा रोग संबंधित बीमारी हो वह सोमवार दिनांक 6 फरवरी को सुबह ग्यारह बजे से शाम को पांच बजे तक अपनी बीमारी की समस्या से निजात पा सकते है। यहां यह भी बताना अति आवश्यक है की बृजेश मेमोरियल अस्पताल के पूर्व चिकित्सक स्व डॉ कमलेश केसरवानी के निधन के बद से उनके यशस्वी पुत्र डॉ मयंक केसरवानी जो कि स्वयं हड्डी रोग विशेषज्ञ है 'उनोहोने अपने स्व पिता जी के अधूरे सपने को साकार करने के लिए दिन रात नए नए प्रत्येक मर्ज के चिकित्सकों को बुलाकर जनपद कौशाम्बी की जनता के कष्ट को दूर करने बीड़ा उठाया हैं जिसको संयोग कहे या प्रयोग कर जनता को बीमारी से निजात दिलाने के लिए दिल्ली से विश्व विख्यात चिकित्सक त्वचा रोग विशेषज्ञ सोमवार को बृजेश मेमोरियल अस्पताल में पहुँच रहे है'

बेनी राम कटरा तिराहे से गुजरते हैं ओवरलोड वाहन

कौशांबी। सराय अकिल कोतवाली क्षेत्र के बेनी राम कटरा तिराहे के पास से दिन-रात बालू लदे ओवरलोड वाहन गुजरते हैं तिराहे पर पुलिस चौकी स्थापित है लेकिन उसके बाद भी ओवरलोड वाहनों पर पुलिसिया कार्यवाही नहीं दिखाई पड़ रही है जिससे चौकी पुलिस की निष्ठा पर सवाल खड़े हो रहे हैं बताया जाता है कि पुलिस चौकी में चौकी इंचार्ज अक्सर गायब रहते हैं और चौकी से कुछ दूर सड़क के किनारे खड़े होकर ओवरलोड वाहनों से सेटिंग करते हैं जिससे ओवरलोड वाहनों पर कार्यवाही करने से वह दूर भागते हैं हालांकि खनन अधिकारी भी ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करते नहीं दिख रहे हैं और एआरटीओ की भूमिका पर तो पहले से सवाल खड़े हो रहे हैं ओवरलोड वाहनों से एआरटीओ मोटी वसूली कर रहे हैं सूत्रों की माने तो बालू लदे ओवरलोड वाहनों से एआरटीओ करोड़ों रुपए महीने की अवैध वसूली बेखौफ तरीके से इंट्री के नाम पर कर रहे हैं सब कुछ एंट्री और टोकन नंबर से सिस्टम बना हुआ है प्रत्येक महीने कोड भाषा जारी होता है और जिस ओवरलोड वाहन के चालक ने कोड भाषा बता दिया उसे सड़क पर ओवरलोड वाहन दौड़ाने की पूरी छूट एआरटीओ दे देते हैं।

छः वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना कड़ाधाम पुलिस बल द्वारा वारंटी अभियुक्त मकसूद खान पुत्र मो. यासीन खान निवासी कमालपुर थाना कड़ाधाम को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना सराय अकिल पुलिस बल द्वारा तीन वारंटी अभियुक्तों रामधीरज पुत्र रामवदन वैजनाथ पुत्र इंद्रजीत व रामसेवक पुत्र शंभू पाल निवासीगण तरनी व भारत उर्फ भरतरी पुत्र श्याम लाल लोध निवासी ग्राम फैजुल्लापुर व रंजीत सिंह पुत्र कुलजीत सिंह (मोराई) निवासी ग्राम कनैली थाना सराय अकिल को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है।

तीन वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोखराज पुलिस बल द्वारा वांछित अभियुक्त इंद्रेश कुमार दिवाकर पुत्र फूलचन्द दिवाकर निवासी महमदपुर थाना कोखराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है। इसी प्रकार थाना पिपरी पुलिस बल द्वारा वाछित अभियुक्त सूरज पुत्र स्व0 राम नरेश निवासी सुधान व ललित कुमार पुत्र सुभाष चन्द्र निवासी मोहम्मदपर पुरैनी थाना पिपरी को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

संपादकीय

खाद्य सुरक्षा : घोषणाओं की समग्र पड़ताल जरूरी

हमें राशन-कार्ड धारकों की समीक्षा कर संख्या बढ़ाने की जरूरत है। वर्ष 2021 की जनगणना नहीं होने के कारण बहुत से लोग छूट गए हैं जो राशन के हकदार हैं। इसके अलावा कुछ विशेष समूहों पर ध्यान देने की जरूरत है, जैसे- वृद्ध, विधवा महिलाएं आदि। कुपोषण की स्थिति देखते हुए आंगनबाड़ी तक बच्चों एवं महिलाओं की पहुंच को ज्यादा बेहतर बनाने की जरूरत है। किसी भी सरकार की घोषणाओं के साथ कई अनकही बातें होती हैं। उन्हें समग्र रूप से समझने की जरूरत होती है। हाल ही में दो घोषणाएं एक साथ की गई हैं- एक बुलंद आवाज में और दूसरी दबे स्वर में। जैसा कि स्पष्ट है, भारत में 'खाद्य सुरक्षा अधिनियम' पहले से चला आ रहा है। अब यह ऐलान किया गया है कि एक वर्ष के लिए राशनकार्ड धारकों को पांच किलो अनाज प्रति माह/प्रति व्यक्ति मुफ्त में दिया जायेगा। इससे पहले लोग हर माह दो रुपए प्रति किलो गेहूं और तीन रुपए प्रति किलो चावल प्राप्त कर रहे थे। यानी अब हर व्यक्ति के लिए 10 या 15 रुपए की बचत होगी।

साथ में यह भी कहा गया है कि 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' के तहत अतिरिक्त अनाज वितरण बंद किया जा रहा है। इस योजना के चलते हर गरीब व्यक्ति को पांच किलो अतिरिक्त अनाज मुफ्त में दिया जा रहा था। अब गरीबों को कुल पांच किलो अनाज उपलब्ध होगा, 10 किलो नहीं। एक गरीब मजदूर जिसे राशन के आलावा बाजार से पांच किलो गेहूं खरीदना पडता है, उसे 100 से 125 रुपए खर्च करना होगा और उसके लिए राशन में बचत 10 रुपए की होगी। दोनों घोषणाओं को एक साथ देखें तो यह एक हाथ से देना और दूसरे हाथ से भारी वसूलना है। ऐसा क्यों किया जा रहा है? इसके कई कारण हैं। मुख्य रूप से सरकार मीठी छुरी के साथ वितीय भार कम करना चाहती है। 'फ्री-राशन' पर अतिरिक्त 15 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे और 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' बंद करने पर सरकार को एक लाख 80 हजार करोड़ रुपए की बचत होगी। इस संदर्भ में आने वाले बजट को ध्यान से देखने की जरूरत होगी। दूसरा कारण यह है कि सरकार को अनाज, खासकर गेहूं के स्टॉक की चिंता होने लगी है। इस स्टॉक का उपयोग बाजार भाव को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। सरकार मैदा मिलों को यह गेहूं उपलब्ध करवाती है। ऐसा करना जरूरी है,पर इससे स्टॉक का कम होना स्वाभाविक है। खलबली मची है कि क्या हमारे पास सुरक्षित स्टॉक है? इन सबके पीछे यह कारण है कि पिछले वर्ष बिना होमवर्क किये निर्यात को खोल दिया गया था और बाद में इसे बंद करना पड़ा था। 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' में व्यापक धांधली एक अन्य बड़ा कारण है। यह व्यापक गड़बड़ी छोटा-मोटा लीकेज नहीं है। जैसा कुछ रिपोर्टें कह रही हैं कि यह बड़े पैमाने पर हो रहा है और बगैर राजनीतिक संरक्षण के संभव नहीं है। हालांकि इसे साबित करना टेढ़ी-खीर है, किन्तु वास्तविकता में कई जगहों पर यह राशन गरीबों तक पहुंचने के बजाय बाजार में बिक रहा है। इस संदर्भ में विकल्प क्या हो सकता है? पहली बात तो यह स्वीकार करना होगा कि हम कोविड की मार से निकल रहे हैं, न कि निकल चुके हैं। खासकर ग्रामीण और शहर के असंगठित क्षेत्र को देखें तो पता चलता है कि अब तक लोगों का रोजगार अपेक्षित रूप से वापस नहीं लौटा है। यानी लोगों को मदद की जरूरत है।

टी-शर्ट बड़े कमाल की चीज है

सुनील कुमार महला

टी-शर्ट बड़े कमाल की चीज है। आज मीडिया में टी-शर्ट है। घर-घर में टी-शर्ट है। बच्चें हों या जवान, बुजुर्ग आज सभी टी-शर्ट के दीवाने हैं। टी-शर्ट बला नहीं, जिंदगी का सिलसिला है। टी-शर्ट राजनीति चमकाने का तड़का है।सर्दी हो या गर्मी, बारिश हो या कोई भी मौसम, टी-शर्ट पर्सनैलिटी निखारने का फड़का है। अजी ! यह तो देश के विकास का एक जरूरी एलीमेंट है। तोताराम जी कहते हैं कि उन्हें बचपन से ही टी-शर्ट पसंद है। उनका मानना है कि टी-शर्ट देश के विकास में अहम् योगदान देती है। कपड़े की ठीक-ठाक बचत होती है। बचत से वित्तीय नियंत्रण होता है, और योजना बनाने में मदद मिलती है। टी-शर्ट नहीं होती तो मंदी का खतरा बढ़ जाता। पाकिस्तान और श्रीलंका आजकल मंदी से इसीलिए जूझ रहे हैं, क्योंकि वहाँ के लोग टी-शर्ट को बहुत अधिक महत्व नहीं देते। पाकिस्तान के लोग आज टी-शर्ट पहनते तो वहाँ आज आटे की किल्लत नहीं होती और मंत्रीजी को आटे की भीख मांगने के लिए जेनेवा का दौरा नहीं करना पड़ता। फ्लाइट के सारे पैसों से बचत होती। टी-शर्ट का सीधा संबंध देश की अर्थव्यवस्था से होता है। यह देश का कपड़े के रूप में बना एक शानदार विकास-पत्र है, जिसकी चर्चा देश -विदेश में यत्र-तत्र है। टी-शर्ट से ही सांख्यिकी संगठन के आंकड़े आज मजबूत हो रहे हैं। यदि टी-शर्ट नहीं होती तो सांख्यिकी संगठन को विकास की मंजिल कैसे हासिल होती। यह टी-शर्ट ही है जिसके कारण उत्पादक क्षेत्रों में नई पूंजी का निर्माण हो रहा है। टी-शर्ट ही राजनीति को चमकाती है। टी-शर्ट देश को फेविकोल से भी ज्यादा सशक्त रूप से जोड़ने में सक्षम है। अजी ! टी-शर्ट के फायदे ही फायदे हैं। आजकल रिंकल फ्री टी-शर्ट बाजार में खूब आतीं हैं। टी-शर्ट को प्रेस(इस्त्री) करने की जरूरत नहीं पड़ती और इस प्रकार से टी-शर्ट ऊर्जा बचत में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रही है। अन्य कपड़ों को धोने-सुखाने का बड़ा झंझट है।आजकल ठंड में वाशिंग मशीन का उपयोग करना पड़ रहा है। शहरों में तो कपड़े तक सूखाने के लिए जगह नहीं बची है, ऐसे में टी-शर्ट रामबाण सिद्ध हो रही है। धोने-धुलाने में साबुन की भी अच्छी खासी बचत हो रही है। कुल मिलाकर, टी-शर्ट बचत का पर्याय है। अजी ! टी-शर्ट में स्टाइल है। यह कैजुअल वियर है, जो सभी को अति डियर है। टी-शर्ट आदमी को हमेशा गतिशील और तरोताजा रखती है। इसे पहनने से राजनीति के साथ ही मीडिया भी गतिशील रहता है। प्रदूषण के बीच शरीर को बढ़िया वेंटीलेशन प्रदान करती है। राजनीति की असली यात्राएं टी-शर्ट के साथ चलती हैं और दुनिया टी-शर्ट के फेर में जलती है और हाथ मलती है। टी-शर्ट पावर है। इसीलिए जान हमारी टी-शर्ट पर न्योछावर है। जय राम जी की।

(आर्टिकल का उद्देश्य पाठकों का स्वस्थ मनोरंजन करने तक सीमित है, किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना इस आर्टिकल का उद्देश्य नहीं है।)

युवाओं की भागीदारी के बिना नया भारत कैसे बनेगा?

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युवावस्था में अपनी डायरी के पन्नों पर न्यू इंडिया और युवा भारत का जो सपना शब्दों में पिरोया था, वह आज साकार होता नजर आ रहा है। भारत मजबूती से लगातार नई पहल के साथ आगे बढ़ रहा है। जिस तरह से भारत ने मोदी के नेतृत्व में चुनौतियों का सामना किया है, वह अपने आप में काबिले तारीफ है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। नये विचारों, नये इंसानी रिश्तों, नये सामाजिक संगठनों, नये रीति-रिवाजों और नयी जिंदगी की हवायें लिए हुए आजाद मुल्क की गाथा सुनाता भारत एक बड़ा सवाल लेकर भी खड़ा है कि हम अपनी बुनियाद यानी युवाओं के सपनों को कब पंख लगायेंगे? कब उनकी निराशा की बदलियों की धूंध को दूर करेंगे? देश की युवापीढ़ी की जरूरतों को कब पूरा करेंगे एवं कब उन्हें परेशानियों से मुक्त करेंगे? यह एक बड़ा सवाल है।

कहते हैं कि युवा देश की धड़कन ही नहीं, उसके भविष्य का नियामक और नियंता भी होता है। स्वामी विवेकानंद ने जिस युवा पीढ़ी की ऊर्जा और राष्ट्रीय चरित्र की बात कही थी, वह आज बिखरी सी क्यों नजर आ रही है? केंद्र सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार अगले 15 साल में 100 में से 77 लोग बूढ़े होंगे। सतत विकास के एजेंडे की बात करें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र सन 2030 तक युवा रोजगार के अवसरों एवं शिक्षा-प्रशिक्षण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि भारत की बात करें, तो देश की युवा पीढ़ी के लिए सरकारी नौकरी सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यदि व्यक्तित्व में कर्मठता और ईमानदारी के साथ-साथ जिम्मेदारी का अहसास भी हो तो, किसी भी सेक्टर की नौकरी के प्रति अति आकर्षण कोई बुरी बात नहीं है। नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि आज सपने देखना और आकांक्षाओं को उड़ान देना, यही युवा की पहचान होती है। फिर ऐसे क्या कारण है कि भारत का युवा कुछ विलक्षण, अद्भुत एवं अनूठा करने की बजाय नौकरी तक ही उलझा है? कभी अमेरिका के वर्जीनिया में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को अमेरिका बनाकर दिखाने का संकल्प व्यक्त किया था। बहत्तर वर्ष के मोदी ने अपनी इसी जिन्दगी में ऐसा करने का विश्वास व्यक्त करना कहीं अतिश्योक्ति तो नहीं है? लेकिन बड़े सपने हमें वहां तक नहीं तो उसके आसपास तो पहुंचा ही देते हैं, इसलिये मोदी के इस संकल्प को सकारात्मक नजरिये से ही देखा जाना देश के हित में है। उन्होंने बड़े सपने लिया और उन्हें पूरा भी किया। लेकिन इन सुनहरे सपनों के बीच का यथार्थ बड़ा डरावना एवं बेचैनियों भरा है। देश की युवापीढ़ी बेचैन है, परेशान है, आकांक्षी है और उसके सपने लगातार टूट रहे हैं। देश का व्यापार धराशायी है, आमजनता अब शंका करने लगी है। इन हालातों में नया भारत बनाना या उसे अमेरिका बनाकर दिखाना एक बड़ी चुनौती है। विकसित देशों में युवा 20 साल का होते-होते अपने स्वयं के इनोवेशन के लिए काम करने लगता है। बार-बार फेल होकर भी वह सफलता की ऊंचाई छूने की कोशिश में लगा रहता है। मगर भारत के हालात अलग हैं। कितना हास्यास्पद है कि हमने कुछ सरकारी नौकरियों को इतना महिमामंडित कर दिया है कि हर व्यक्ति वही नौकरी करना चाहता है, जिसमें दबंगई हो, प्रतिष्ठा हो, जी-हजूरी करने वालों की फौज हो, सुविधावाद हो। विकास को आकार देने में जुटे समाज में दबंगई की जरूरत ही क्या है। उधर उच्च शिक्षण संस्थान पढ़ाई की बजाय राजनीति के केंद्र बन रहे हैं। राजनीति बुरी नहीं, मगर आलम यह है कि वहां ऐसे नेता नजर आते हैं, जिनका पढ़ाई से कोई लेना-देना नहीं है। वे समय-समय पर बस अपनी ताकत ही दिखाते रहते हैं। हमने आजादी का अमृत महोत्सव मना लिया और अब भी हम अपने युवाओं को पुरानी मानसिकता से बाहर निकालकर रिसर्च और इनोवेशन के लिए तैयार ही नहीं कर पा रहे। चीन और जापान की तरह उन्हें उत्पादक नहीं बना पा रहे हैं। भारत नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनने के लिए, अनूठा बनने के लिए और उसे अमेरिका बनाकर दिखाने के लिये अतीत का बहुत बड़ा बोझा हम पर है। बेशक हम नये शहर बनाने, नई सड़कें बनाने, नये कल-कारखानें खोलने, नई तकनीक लाने, नई शासन-व्यवस्था बनाने के लिए तत्पर हैं लेकिन मूल प्रश्न है इनमें युवाओं की भागीदारी कब सुनिश्चित करेंगे और कब हम उनकी अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे? भारत में आबादी का छठा हिस्सा बेरोजगार है और हम वैश्वीकरण की ओर जा रहे हैं, अमेरिका बनने की सोच रहे है, नया भारत बना रहे हैं। यह खोखलापन है।

वरना न हम नया भारत बना पायेंगे और न हम अमेरिका जैसा बन पायेंगे। अमृत महोत्सव का माहौल है। अमृत काल है, जो हमें पीछे मुड़कर देखते हुए भविष्य के सपने बुनने के लिये पुनरावलोकन की मांग करता है कि हमें पहुंचना कहां था और हम जा किधर रहे हैं?

बहुत आवश्यक है संतुलित विकास की अवधारणा बने। केवल एक ही हाथ की मुट्ठी भरी हुई नहीं हो। दोनों मुट्ठियां भरी हों। वरना न हम नया भारत बना पायेंगे और न हम अमेरिका जैसा बन पायेंगे। अमृत महोत्सव का माहौल है। अमृत काल है, जो हमें पीछे मुड़कर देखते हुए भविष्य के सपने बुनने के लिये पुनरावलोकन की मांग करता है कि हमें पहुंचना कहां था और हम जा किधर रहे हैं? सवाल उठता है कि भारत की धीमी प्रगति का एक कारण कहीं सरकारी नौकरी के प्रति युवाओं का अति लगाव, सरकारी तंत्र का भ्रष्टाचार में लिप्त होने के साथ-साथ कामकाज की तुलना में अधिक तनख्वाह एवं सुविधाएं देना तो नहीं है? आजादी के 75 साल बाद भी 92 प्रतिशत युवाओं में खतरों को मौल लेने की क्षमता ही नहीं विकसित हो पाई। आखिर वे सिर्फ सरकारी अथवा गैर सरकारी नौकरी से चिपक कर अपना जीवनयापन क्यों करना चाहते हैं? यह बात सच है कि बिना खतरे उठाए सफलता की ऊंचाई प्राप्त नहीं की जा सकती, नया भारत नहीं बनाया जा सकता। ऐसा लगता है कि देश का अधिकांश युवा वर्ग बिना पानी में उतरे तैरने का चैंपियन बनना चाहता है। विकास के बड़े और लुभावनें सपनों के साथ-साथ हम विवेक को कायम रखें, नैतिक मूल्यों एवं मौलिक सृजन को जीवन का आधार बनाएं। जिस प्रकार गांधीजी ने मेरे सपनों का भारत पुस्तक लिखी, उन्होंने अपने सपनों में हिन्दुस्तान का एक प्रारूप प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने गरीबी, धार्मिक संघर्ष, अस्पृश्यता, नशे की प्रवृत्ति, मिलावट, रिश्वतखोरी, शोषण, दहेज और वोटों की खरीद-फरोख्त को विकास के नाम विध्वंस का कारण माना। उन्होंने स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ के नाम पर भौतिकवाद, सुविधावाद और अपसंस्कारों का जो समावेश हिन्दुस्तानी जीवनशैली में हुआ है उसे उन्होंने हिमालयी भूल के रूप में व्यक्त किया है। लगता है हमने युवा हाथों में विकास के सपने थमाने की बजाय सुविधावाद थमा दिया।

विदेशों में भारत की स्थिति को मजबूत बनाना अच्छी बात है, लेकिन देश में बदलते हालातों पर निगाह एवं नियंत्रित भी जरूरी है। ऐसा नहीं होने का ही परिणाम है कि आठ सालों से लगातार युवा पीढ़ी निराशाओं से घिरती जा रही है। उनको नजरअंदाज करने की ही निष्पत्तियां कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में सिर उठा रही हैं। जो युवा मोदीजी को वोट देता गया, जिताता गया। अब वही पूछने लगा है कि क्या हुआ हमारे सपनों का? नया भारत हमारी बेचैनियों पर कैसे खड़ा करोंगे?

युवा वर्ग को जिम्मेदार और जुझारू बनाने के साथ हर तरह के नशे से बचाने के ठोस प्रयास आवश्यक हैं, ताकि परिवार, समाज और देश का भी भविष्य खतरे में न पड़े और युवाओं की भागीदारी से भारत सचमुच नया भारत एवं सशक्त भारत बने।

बजट में स्वास्थ्य के लिए अल्प आबंटन के गंभीर प्रभाव

डॉ अरुण मित्रा

बजट में कहीं भी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के परिलब्धियों के लिए आबंटन में वृद्धि का संकेत नहीं दिया गया है। अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकताओं, आशा, आंगनबाड़ी आदि की सेवाओं को उचित सम्मान नहीं दिया गया है। उन्हें इस बजट में कार्यकर्ता का दर्जा नहीं दिया गया है। पोषण अभियान के लिए आबंटन पिछले साल 3700 करोड़ रुपये से घटाकर 2700 करोड़ रुपये कर दिया गया था। इससे हाशिये के तबकों का पोषण प्रभावित हो रहा है। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट 2023-24 से बहुत उम्मीदें थीं, क्योंकि अगले साल संसद के आगामी चुनाव से पहले यह मौजूदा सरकार का आखिरी बजट था। उम्मीद थी कि स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में आम लोगों के बड़ी राहत मिलेगी। लेकिन बजट में स्वास्थ्य के लिए अल्प आबंटन से लोगों की आकांक्षाओं पर पानी फिर गया है। यह स्पष्ट रूप से इसलिए है क्योंकि हमारे देश में सत्तारूढ़ सरकारों द्वारा स्वास्थ्य और शिक्षा को संसाधन के रूप में नहीं लिया जाता है। इस संदर्भ में घोर निराशा की बात यह है कि वित्तमंत्री द्वारा प्रस्तुत बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आबंटन में कमी की गई है। पिछले साल पेश किये गये बजट में कुल बजट के 39.45 लाख करोड़ रुपयों में से स्वास्थ्य के लिए 86606 करोड़ रुपये आबंटित किये गये थे, जो बजट का 2.19 प्रतिशत है। लेकिन इस साल स्वास्थ्य के लिए कुल 45 लाख करोड़ रुपये के बजट में से 88956 करोड़ रुपये का आबंटन किया गया है, यानी बजट का 1.97 फीसदी। इस अवधि के दौरान उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद आबंटन में 0.22 फीसदी की कमी आई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के लिए बजटीय आबंटन में केवल 0.21 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। राष्ट्रीय एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिंड्रोम) और एसटीडी (यौन संचारित रोग) नियंत्रण कार्यक्रम के लिए बजट में 11.61 प्रतिशत की वृद्धि की गई है - जो 2021-22 के 2349.73 करोड़ जो के संशोधित अनुमान की तुलना में 2,622.75 करोड़ हो गया है। हालांकि, अगर हम इसकी तुलना 2020-21 में राष्ट्रीय एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिंड्रोम) और एसटीडी (यौन संचारित रोग) नियंत्रण कार्यक्रम पर खर्च किये गये वास्तविक धन से करें तो 6.84 प्रतिशत की गिरावट आई है। पूरी कवायद ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के बुनियादी ढांचे और रोजगार के बजाय डिजिटल एजेंडे को बढ़ावा देने की है। यह समझ से परे है कि वास्तविक जमीनी स्तर के बुनियादी ढांचे के विकास के बिना डिजिटलाइजेशन कैसे मदद करने वाला है। डब्ल्यूएचओ ने बार-बार कहा है कि स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए यह जरूरी है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य खर्च जीडीपी का 5फीसदी होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से हमारे देश में कई वर्षों से सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बहुत कम, 2.1 प्रतिशत से नीचे ही रहा है। ऑक्सफैम की 'असमानता को कम करने की प्रतिबद्धता रिपोर्ट 2020' के अनुसार भारत स्वास्थ्य खर्च में 154वें स्थान पर है, नीचे से 5वें स्थान पर। इसलिए उम्मीद की जा रही थी कि सरकार स्वास्थ्य के प्रति बजटीय आबंटन को लेकर गंभीर होगी। लेकिन यह नहीं होना था। 'ऑक्सफैम इंडिया की असमानता रिपोर्ट 2021: भारत की असमान स्वास्थ्य सेवा कहानी' आगे बताती है कि भारत में बढ़ती सामाजिक-आर्थिक असमानताएं सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) की अनुपस्थिति के कारण हाशिये पर के समूहों के स्वास्थ्य परिणामों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रही हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि सामान्य वर्ग एससी और एसटी से बेहतर प्रदर्शन करता है; हिंदू मुसलमानों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं; अमीर गरीबों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं; पुरुष महिलाओं से बेहतर हैं; और शहरी आबादी विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों पर ग्रामीण आबादी से बेहतर है। बजट में कहीं भी डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ के परिलब्धियों के लिए आबंटन में वृद्धि का संकेत नहीं दिया गया है। अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकताओं, आशा, आंगनबाड़ी आदि की सेवाओं को उचित सम्मान नहीं दिया गया है। उन्हें इस बजट में कार्यकर्ता का दर्जा नहीं दिया गया है। पोषण अभियान के लिए आबंटन पिछले साल 3700 करोड़ रुपये से घटाकर 2700 करोड़ रुपये कर दिया गया था। इससे हाशिये के तबकों का पोषण प्रभावित हो रहा है। मनरेगा के लिए आबंटन 89,400 करोड़ रुपये से घटाकर 60,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा, ग्रामीण विकास आबंटन को संशोधित अनुमान में 2,43,317 करोड़ रुपये से घटाकर कुल बजट व्यय का 2,38,204 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो कुल बजटीय खर्च का 5 फीसदी ही है। यह ग्रामीण क्षेत्र के लिए सरकार की कम प्राथमिकता को दर्शाता है। ग्रामीण क्षेत्र और मनरेगा के लिए खराब आबंटन लोगों की क्रय क्षमता को कम कर देगा जिससे उनका पोषण प्रभावित होगा। अल्पपोषण के साथ लोगों के बीच बेहतर स्वास्थ्य सूचकों की अपेक्षा करना भोलापन होगा। नर्सिंग कॉलेज बढ़ाने की बात चल रही है। लेकिन जब तक उनके लिए नौकरी रोजगार के साथ यह नहीं होगा, उन्हें बहुत कम वेतन पर निजी क्षेत्र में काम करने के लिए छोड़ दिया जायेगा या बेहतर अवसरों के लिए दूसरे देशों में पलायन करने को प्रेरित किया जायेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जो पहले रेफरल केंद्र हैं और माना जाता है कि इसमें एक सर्जन, एक प्रसूति-स्त्री रोग विशेषज्ञ, एक बाल रोग विशेषज्ञ, एक चिकित्सक और एक एनेस्थेटिस्ट होना चाहिए। लेकिन सर्जनों और बाल रोग विशेषज्ञों में 80 फीसदी से अधिक की कमी है, और चिकित्सकों और प्रसूति-स्त्री रोग विशेषज्ञों में 70 फीसदी से अधिक की कमी है। इन रिक्तियों को भरने के लिए कोई योजना या दिशा नहीं है, इसके बावजूद कि हर साल आने वाले डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि हुई है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण उनमें से अधिकांश निजी क्षेत्र का विकल्प चुनते हैं या दूसरे देशों में चले जाते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर जोर है जिसके माध्यम से सार्वजनिक धन मोटे तौर निजी खिलाड़ियों को दे दिया जायेगा। बजटीय आबंटन की पूरी कवायद से देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं होने वाला है और सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल का कोई संकेत नहीं दिखता है। अगर स्वास्थ्य सेवाओं को समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी बनाना है तो बजटीय आबंटन को राजस्व बजट के 10 फीसदी तक बढ़ाने की आवश्यकता है।

परीक्षाओं में अनुचित साधनों (धोखाधड़ी) का प्रयोग

विजय गर्ग

शिक्षा प्रणाली एक ऐसा उपकरण है जो लोगों को उनकी प्रतिभा और रुचि के अनुसार उत्पादक जीवन जीने में सक्षम बनाती है। शिक्षा प्रणाली के पूरी तरह से प्रभावी होने के लिए इसे एक व्यक्ति को एक स्वतंत्रता और नेतृत्व का प्रशिक्षण देना चाहिए। साथ ही, इसे एक प्रगतिशील और लोकतांत्रिक समाज के निर्माण के लिए आवश्यक सभी व्यावसायिक क्षमताओं के विकास के लिए प्रदान करना चाहिए। युवाओं को प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता उनके दृष्टिकोण के निर्माण में काफी हद तक योगदान करती है। अतः जिस प्रकार की शिक्षा दी जाती है, वह विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से निकलने वाले शिक्षित युवाओं की गुणवत्ता और प्रकृति का निर्धारण करेगी। शिक्षा एक महान निमार्ता है और यदि यह कमी या पतनशील है तो यह विध्वंसक भी हो सकती है। इतिहास इस तरह की कमियों या शिक्षा में कमी का प्रमाण है। ग्रीस और रोम कभी इस तथ्य के कारण विश्व के नेता थे कि ये शिक्षा और शिक्षा के महान केंद्र थे। लेकिन जब इन केंद्रों का अस्तित्व समाप्त हो गया तो इसका परिणाम इन साम्राज्यों के पतन के रूप में हुआ। यदि वर्तमान शिक्षा प्रणालियों का मूल्यांकन किया जाए तो वे भी विभिन्न कमियों और दोषों से ग्रस्त हैं, हालांकि अभी भी कई अपवाद हैं। फिर भी, परीक्षाओं के दौरान आमतौर पर होने वाले कदाचारों को संबोधित करने और समाप्त करने की आवश्यकता है। ये कदाचार पूर्व-आचरण, आचरण और मूल्यांकन चरणों में हैं और प्रश्नपत्रों के लीक होने से लेकर कॉपी करने, उत्तर पुस्तिकाओं को बदलने, प्रतिरूपण, परीक्षा केंद्र में कदाचार, निरीक्षकों/परीक्षकों से संपर्क करने, पुरस्कार सूची/परीक्षा रजिस्टरों में गलत प्रविष्टियाँ करने और जारी करने तक हैं। फर्जी प्रमाणपत्र/डिग्री आदि। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग एक ऐसा चलन है जो शीघ्र समाप्त होने वाला नहीं है। शिक्षा की पूरी प्रणाली परीक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है जो व्यवस्था की सफलता या विफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वे छात्रों की सफलता या असफलता के बैरोमीटर भी हैं। परीक्षाओं में नकल और अन्य अनुचित साधनों/कदाचारों का सहारा लेना एक गंभीर समस्या है जिसका तत्काल समाधान की आवश्यकता है। यह समस्या हमारी शिक्षा प्रणाली में एक बीमारी की तरह है जो युवाओं के भविष्य के साथ-साथ पूरे समाज को भी चौपट कर रही है। छात्र अनुचित साधनों का सहारा क्यों लेते हैं? असफलता का डरः का डर कुछ छात्रों के परीक्षा में नकल करने का एक प्रमुख कारण है। कुछ छात्र परीक्षा में असफल होने पर बहुत सारी समस्याओं का अनुमान लगाते हैं। उनका डर उनके माता-पिता में रहता है जो खराब ग्रेड, उनके दोस्तों के मजाक और संभावित अंधेरे भविष्य की भी शिकायत करते हैं। वे तनावग्रस्त हो जाते हैं और अंतिम परिणाम परीक्षा में नकल होता है। योग्यता की कमीः कुछ छात्र ऐसे होते हैं जिनमें परीक्षा की चुनौती लेने की क्षमता नहीं होती है। कम आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की कमी उन्हें धोखा देने का कारण बनती है। कठिन अध्ययन करने, कक्षाओं पर ध्यान देने, पाठों की समीक्षा करने और अभ्यास करने के बजाय वे परीक्षा में नकल करते हैं। रुचि की कमीः कुछ छात्रों की पढ़ाई में बिल्कुल भी रुचि नहीं होती है। उन्हें यह बेकार लगता है क्योंकि वे जानते हैं कि वे अपनी पढ़ाई के बाद अपने पिता का व्यवसाय संभालने जा रहे हैं या पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय का पालन करने जा रहे हैं। उनके लिए स्कूल सिर्फ एक औपचारिकता और टाइम पास है। उन्हें अध्ययन करने की कोई आवश्यकता नहीं है और धोखा देना एक आसान तरीका लगता है। मौज-मस्ती और दिखावे के लिए चीटिंगः कुछ छात्र परीक्षा में इसलिए चीटिंग करते हैं क्योंकि उन्हें रिस्क लेने में मजा आता है। यह हास्यास्पद लगता है लेकिन वास्तव में, कुछ छात्र ऐसे होते हैं जो इस तरह के अनाचार करने से रोमांचित और उत्तेजित हो जाते हैं। ये अपनी काबिलियत दिखाकर लोकप्रिय होना चाहते हैं। कुछ के लिए, यह एक अहम् मुद्दा हैऔर कुछ के लिए, यह एक शर्त या अन्यथा की हिम्मत है। स्रोतों की उपलब्धताः प्रौद्योगिकी और धन ने पूर्व छात्रों, सह-छात्रों, माता-पिता, शिक्षकों, परीक्षकों, निरीक्षकों, परीक्षा कर्मचारियों और बाहरी तत्वों जैसे तत्वों के रूप में धोखाधड़ी के साधनों की सुविधा प्रदान की। वे पैसे के कारण या अन्यथा आसानी से उपलब्ध हैं।

राजनीति में कलाओ की बला

राजनीति भी अजीब चीज है जो एक बार पद,पैसा ,पावर के मोह माया के दलदल में फंस गया ,समझो ईमान उसका गड्ढे में धस गया बिना झूठ बोले राजनीति नहीं हो सकती और सच बोल कर औरों की नीति बिगाड़ने का जोखिम लेना कई बार अपने लिए भी खतरनाक है। और जिसने एक बार राजनीति की सुख सुविधा ऐश आराम का उपयोग कर लिया वह कुछ और करने लायक बचता ही नहीं है वह चाहे पूरी दुनिया घूम ले, फिर अटक-पटक - भटककर राजनीति के ड्योढ़ी पर ही आकर धरना देता है ...ठीक भी है राजनीति में सत्तानसीन होने का जो सुख है वह सुख पाने के लिए और क्षेत्रो मे घोर परिश्रम, तप, त्याग ,तपस्या करना पड़ता है तब पद पावर का उपहार मिलता है। साधारण मनुष्य को सिर्फ पांच कलाएं आती है है श्रेष्ठ मनुष्य को आठ कलाएं आती है पर राजनीति के धुरंधरों को कितनी कलाएं आती है खुद वह व्यक्ति भी नहीं जानता उसकी कलाएं चंद्रमा की सोलह कलाओं से भी भारी होती है राजनीतिज्ञों की कलाओं में से कुछ कलाओं का निम्नलिखित ब्यौरा और व्याख्या देखिए-- सबसे पहली है टिके रहने की कला ... राजनीति का प्रसाद मिलता है लेकिन उसके लिए जरूरी है कि या तो आपके पूर्वज राजनीति के धरोहर हो.. यदि नहीं है तो आपके टिके रहने की कला से ही कुछ मिल सकता है वैसे तो राजनीति में थोड़ी कुछ कलाऐ होने के बाद मिल जाता है लेकिन राजनीति के सारे सुख साधन भोगने के लिए जरूरी है उसमें टिके रहने की कला.. यदि आपने एक बार राजनीति में टिके रहने की कला सीख लिए तो फिर दुनिया की सारी कलाओं के ऊपर यह कला भारी पड़ जाती है। वाणी सम्मोहन की कला.. यह एक अद्भुत कला होती है जो लोगों को सम्मोहित करने के काम आती है व्यक्ति चाहे सत्य बोले या मिथ्या भाषण करें उसके बोलने में वह कला होती है कि सुनने वाला सम्मोहित हो जाए उस पर वारा जाए।

फटाफट खबरें

दुष्कर्म व जानलेवा हमला के दो आरोपी दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर जिले में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी का अभियान चल रहा है। अभियान के क्रम में पुलिस ने दो लोगों को दबोचा है।

रविवार को अभियान के तहत राजापुर थाने के वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने अपहरण व दुष्कर्म में वांछित शिवबालक पुत्र अशोक निवासी कोटा थाना राजापुर को गिरफ्तार किया है। रैपुरा थाने के वरिष्ठ दरोगा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय की टीम ने बलबा, लाठियों से जानलेवा हमला व गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी के वांछित राजबहादुर मौर्य पुत्र बाबूलाल मौर्य निवासी ओडकीमाफी को गिरफ्तार किया है।

टीम में वरिष्ठ दरोगा शैलेन्द्रचन्द्र पाण्डेय, सिपाही नन्दलाल, राममूरत मिश्रा व तिलकराज शामिल रहे।

दुकान से 500 रुपए मूल्य का गाउन व 15 सौ रुपए नकदी लेकर रफूचक्कर

नगीना। बाइक पर सवार पुलिस वर्दी पहने 2 लोगों ने एक गारमेंट की दुकान से 500 रुपए मूल्य का गाउन वे 15 सौ रुपए नकदी लेकर रफूचक्कर हो गए पीड़ित दुकान स्वामी ने उनके खिलाफ थाने जाकर तहरीर दी दुकानदारों का अनुमान है कि पुलिस की भर्ती में दोनों लोग फर्जी ही होंगे। थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर दास उर्फ पट पड़ा निवासी राजवीर सिंह अंबेडकर रोड निकट पालिका के पास राज गवर्नमेंट की दुकान करता है शनिवार की दोपहर को नीले रंग की अपाचे बाइक पर पुलिस की वर्दी पहने दो लो आए और छोटे बच्चे का गाउन मॉल खरीदा उन्होंने दुकानदार को 2000 का नोट दीया जिस पर राजवीर सिंह ने ?500 काटकर 15 सो रुपए लौटा दिए इसी बीच उसके साथी ने उसको लुटाते हुए पैसे वापस ले लिए फिर पहले साथी ने फिर खरीद लिया दुकानदार ने उपरोक्त गाउन को पैक कर थमा दिया जिसके बाद बाइक सवारों ने दुकानदार को 15 सो रुपए लौटाए और ना ही 500 रुपए गाउन के दिए और बाइक पर बैठकर चलते बने दुकानदार राजवीर सिंह हाथ मलते रह गया बाद में अपने सहयोगी दुकानदारों के कहने पर राजवीर थाने पहुंचा और घटना की तहरीर शॉप कर 2000 रुपए दिलाए जाने की गुहार की इस मार्केट के दुकानदारों का अनुमान है कि पुलिस की वर्दी पहने दोनों बाइक सवार नकली थे।

हाईवे के किनारे संदिग्ध परिस्थितियों में मिली युवक की लाश

वाराणसी। रोहनिया स्थानीय थाना क्षेत्र के भदवर स्थित हेरिटेज के पास हाईवे के किनारे शनिवार को सुबह टडिया निवासी अनिल उर्फ जय हिंद चौहान (35) नामक व्यक्ति की रहस्यमय परिस्थिति में शव मिला। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची रोहनिया पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त मृतक व्यक्ति अर्धनग्न अवस्था में पड़ा हुआ था। और घटनास्थल पर जहर की पुड़िया मिला व मृतक के पीठ पर चोट के निशान दिखे व घटनास्थल से कुछ दूर उसकी शर्ट भी मिली। मृतक के हाथ में बने गोदना से स्थानीय पुलिस ने युवक की शिनाख्त कर उसके परिजनों को सूचित किया। सूचना मिलने पर परिजनों के साथ-साथ पत्नी नीतू का रो रोकर बेहाल हो गई।पत्नी नीतू ने बताया कि पैसे लेने की बात कह कर शुक्रवार को सुबह नौ बजे घर से निकले थे।मृतक को दो लड़की व एक लड़का है। मृतक के पिता भगत तथा मा बेगा देवी का कुछ वर्ष पूर्व ही देहांत हो चुका था। मृतक दो भाइयों में छोटा था वह शाहवाबाद स्थित एक निजी कपड़े की दुकान में काम करता था।

10-10 मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं चेक वितरण

बिजनौर। जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह एंव जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में जिले के विभिन्न कॉलेजों में अध्यनरत हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले 10-10 मेधावी छात्र-छात्राओं को टैबलेट एवं चेक वितरण किया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने मेधावी छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आने वाला भविष्य आपका है और एक विकसित उत्तर प्रदेश के साथ-साथ एक प्रभुत्वशाली, समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र के निर्माण में आपका योगदान अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपने प्रदेश को इस प्रकार विकसित और समृद्ध बनाना है कि देश के अन्य प्रदेश ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्तर प्रदेश एक मॉडल के रूप में देख कर उसका अनुसरण किया जाए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप सभी समाज के लिए एक उदाहरण बने और बिजनौर की पावन धरती से देश एवं प्रदेश को एक नई दिशा और नए आयाम देकर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाएं। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए, बधाई देते हुए तथा उनका हौसला बढ़ाते हुए कहा कि उन्हें बहुत आगे जाना है और अपने माता-पिता एवं देश का नाम रोशन करना है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ जिला प्रशासन ही नही बल्कि पूरी सरकार उनके उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए तत्पर है। मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष साकेन्द्र प्रताप सिंह ने छात्र-छात्राओं को देश का भविष्य बताते हुए समाज के हित में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्र-छात्राएं से कहा कि पढाई के साथ-साथ मानसिक तनाव से बचने के लिए कम से कम एक खेल को अपने जीवन में अवश्य अपनाएं।

विभिन्न गांवों में ग्रामीणों को वाश के प्रति किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनकल्याण शिक्षण प्रसार समिति ने उप्र ने विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से जिले के बूढा सेमरवार, बाबूपुर, जरिहा, सरैंया व रम्पुरिया में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व पुरुषों तथा ग्रामीणों को जल स्वच्छता एवं वाश के प्रति जागरूक किया। पर्यावरण संरक्षण संवर्धन को कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए कार्यशाला आयोजित की।

रविवार को नीति आयोग के अनुसार छह सौ मिलियन भारतीय जल संकट से जूझ रहे हैं। आजादी के बाद प्रति व्यक्ति 70 फीसदी मीठे पानी में कमी आई है। जल संकट लगातार बढ रहा है। स्वयं सहायता समूह व ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए खाना पकाने से पहले, परोसने से पहले व शौच के बाद हाथों की सफाई करने के प्रति जागरूक किया। बताया कि एक ग्राम मल में लाखों विषाणु व रोगाणु होते हैं। इससे अतिसार, डायरिया, टाइफाइड, पीलिया व आंत के रोग फैलते हैं। हाथों को सही ढंग से धोकर ही पीने के पानी को सुरक्षित ढंग से रखना चाहिए।

डॉ प्रभाकर सिंह ने कहा कि कूडे का प्रबंधन सही ढंग से करना चाहिए। अदिति मिश्रा ने ग्रामीण एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को वाश करने के बारे में जानकारी दी। अमित शुक्ला ने वाश के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में एक सैकडा से ज्यादा ग्रामीण मौजूद रहे। संचालन शंकरदयाल पयासी ने किया।

दौलत के नशे में चूर माफियाओं की हरकत से जिला प्रशासन भौंचक

दबंगों ने एआरटीओ पर किया जानलेवा हमला

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के बोल्डर, मोरम, बालू माफिया व ट्रक संचालकों की दबंगई इस कदर बढ गई है कि जिले के एआरटीओ प्रवर्तन विवेक शुक्ला पर जानलेवा हमला कर दिया। दबंगों ने ये न सोंचा कि जिला स्तरीय अधिकारी पर जानलेवा हमले के क्या अंजाम होंगे। अंजाम से बेफिक्र दौलत के नशे में चूर माफियाओं ने इस कदर दबंगई दिखाई कि जिला प्रशासन भौंचक रह गया।

ये घटना शनिवार को अपरान्ह दो बजे भरतकूप थाना क्षेत्र के गोंडा गांव में हुई। बताया गया कि शासन से ओवरलोड वाहनों के जांच का अभियान चल रहा है। एआरटीओ प्रवर्तन विवेक शुक्ला शासन के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों की गोंडा गांव में सिपाही सुमित राय व अमित अहिरवार तथा बलराम सिंह के साथ जांच अभियान में जुटे थे। इसी बीच बिना नम्बर प्लेट लगे दो ओवरलोड डम्फर मोरम व बोल्डर लादे नजर आये। दोनों को एआरटीओ ने रोका तो दोनों के चालक डम्फर छोडकर भाग गये। दोनों डम्फरों को भरतकूप थाने लाने के प्रयास दौरान एक स्कार्पियो नम्बर यूपी 96एल-7316 एवं अपाचे मोटरबाइक यूपी 96एल-6078 एवं अन्य बाइकों से तकरीबन 15 लोग मौके पर आ गये। सभीलोग वहां से एआरटीओ को भाग जाने को बोले। उनके मना करने पर उनमें से राजकुमार श्रीवास पुत्र रामगोपाल, राजकरन पुत्र धर्मपाल श्रीवास, नन्दकिशारे श्रीवास पुत्र रामगोपाल निवासी गोंडा व शिवशंकर त्रिपाठी पुत्र रामगोपाल निवासी सिकरिया नांदी तौरा पहाडी तथा कपलेन्द्र व धर्मेन्द्र समेत तमाम लोगों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले से एआरटीओ घायल होकर बबूल के झाड में गिर गये और कुछ देर को अचेत हो गये। इसके बाद हमलावरों ने प्रवर्तन सिपाही अमित अहिरवार को पीटकर घायल कर दिया। होश आने पर उन्हें पुनः पीटा और गाली-गलौज कर दोनों डम्फरों को वहां से भगा दिया। एक डम्फर का माल घटना स्थल पर गिरा दिया। घटना को मोबाइल से रिकार्ड करने पर हमलावरों ने मोबाइल छीनकर पटककर क्षतिग्रस्त कर दिया। हमलावरों ने स्कार्पियो से कुचलकर एआरटीओ को जान से मारने के प्रयास किये।

इस मामले में पुलिस ने गम्भीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। अभी तक पुलिस ने किसी की गिरफ्तारी नहीं की है। जिले में बोल्डर, मोरम, बालू माफिया व ट्रक संचालकों की दबंगई खुलेआम चल रही है। इन दबंगों को दौलत का इस कदर नशा है कि ये किसी को कुछ भी नहीं समझ रहे। एक जिला स्तरीय अधिकारी पर इस किस्म का हमला सीधेतौर पर अराजकता का द्योतक है। ऐसे अराजकों के खिलाफ घरों में बुलडोजर चलना चाहिए, ताकि अराजकतत्वों को सबक मिल सके।

चिन्हित कर दबंगों के घरों में चलायें बुलडोजर

चित्रकूट। जिले के भरतकूप थाना क्षेत्र के रौलीकल्याणपुर व गोंडा गांव बेहद संवेदनशील माने जाते हैं। इन गांवों के ज्यादातर लोग दबंगई, गुंडई के लिए जिले भर में कुख्यात हैं। कुछ वर्षों पहले इस गांव के लोगों ने खनन कार्य की जांच को आये एसडीएम नरैनी पर भी जानलेवा हमला किया था। इस गांव के कुछ लोगों को जिला प्रशासन को चिन्हित कर ऐसे लोगों के घरों में बुलडोजर की कार्यवाही करनी चाहिए, ताकि दुबारा कोई किसी पर हमले का साहस न कर सके

भू-माफिया की बहुमंजिली इमारत न गिरने से प्रशासन की हो रही छवि धूमिल

स्कूल संचालक के आगे नियम-कानून हैं चेरी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय के बहुचर्चित भू-माफिया/ स्कूल संचालक की बहुमंजिली इमारत गिराने के आदेश जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी/चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण की सचिव वन्दिता श्रीवास्तव ने दिये थे। एक पखवाडा बीतने के बाद भी इस स्कूल संचालक की इमारत गिराने के आदेश का पालन नहीं हुआ। स्कूल संचालक ऐंठते हुए कहता है कि उसकी दौलत के आगे कानून उसके सामने चेरी है। रविवार को जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन रोड स्थित गली के अन्दर और डीएम आवास के ठीक पीछे जिले के बहुचर्चित भू-माफिया/स्कूल संचालक ने बहुमंजिली इमारत खडी कर ली है। ये इमारत चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण से बिना नक्शा पास कराये मनमानी ढंग से बनाई गई है। काफी जद्दोजहद के बाद प्राधिकरण की सचिव वन्दिता श्रीवास्तव ने इमारत गिराने के आदेश दिये थे। इन आदेशों का एक पखवाडा बीतने के बाद भी पालन नहीं हुआ है। अलबत्ता स्कूल संचालक ने इमारत गिराने की कुछ समय पहले नौटंकी अवश्य की थी, लेकिन इमारत को जरा सा भी क्षति नहीं पहुंचाई। इमारत ज्यों की त्यों खडी है और जिला प्रशासन के आदेश को मुंह चिढा रही है। इस भू-माफिया/स्कूल संचालक की इमारत गिराने के आदेश पर प्राधिकरण के जेई आनन्द प्रकाश द्विवेदी ने कहा था कि 24 जनवरी के बाद इमारत गिराने की कार्यवाही अमल में लाई जायेगी, लेकिन उन्होंने भी कोई कार्यवाही नहीं की है। ये जरुर बताया कि स्कूल संचालक के भवन निर्माण का नक्शा निरस्त कर दिया गया है। अतिरिक्त भवन को गिराने की प्रक्रिया जल्द शुरू की जायेगी। उल्लेखनीय है कि ये स्कूल संचालक जिला प्रशासन व शासन तथा कानून को अपनी चेरी समझता है। इसकी दौलत के आगे नियम-कानून-कायदे व शासन-प्रशासन सब बौने नजर आ रहे हैं। इस स्कूल संचालक की इमारत न गिरने पर जिला प्रशासन की छवि धूमिल हो रही है।

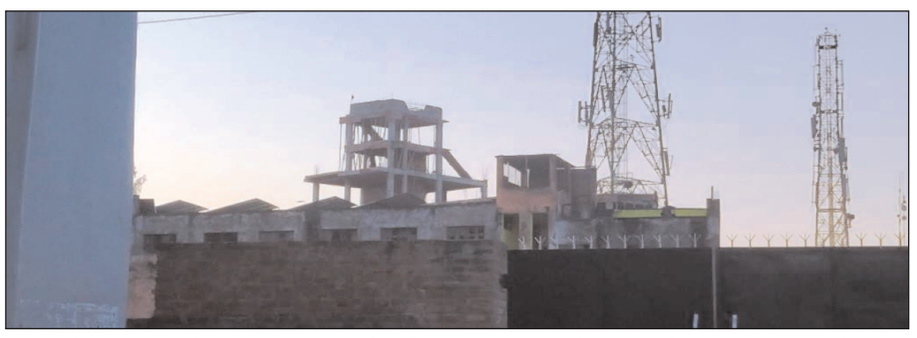

तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में कुल 22 शिकायतें दर्ज

नगीना। शनिवार को डीएम उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में तहसील सभागार में आयोजित संपूर्ण तहसील समाधान दिवस में कुल 22 शिकायतें दर्ज हुई। मौके पर निस्तारण एक भी शिकायत का नहीं किया जा सका।

इस अवसर पर डी.एम उमेश मिश्रा ने तहसील समाधान दिवस में मौजूद सभी अधीनस्थ अधिकारियों से तहसील समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप समय से निस्तारण करने के निर्देश दिये तथा लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के भी संकेत दिये।

डी.एम ने अपने संबोधन में कहा कि यातायात नियमों का पालन कराने में हमें 40 प्रतिशत से अधिक सफलता मिली है

जिससे दुर्घटनाओं का ग्राफ गिरा है। उन्होंने लोगों से यातायात नियमों का पालन करने को कहा। डीएम ने पशुचिकित्साधिकारी को गौशालाओं को शीघ्र संचालित करने व पशुओं को टैग लगाने के भी निर्देश दिये । डीएम उमेश मिश्रा ने सिंचाई बिभाग नगीना के परिसर में खड़े पेड़ों की शिकायत मिलने पर भी पेड़ न कटवाये जाने व तहसील दिवस में बिना कोई कारण बताये अनुपस्थित रहने तथा 3 दिन के भीतर स्पष्टीकरण न देने पर अफजलगढ़ सिंचाई बिभाग खण्ड धामपुर के अधिशासी अभियंता का 1 दिन का वेतन काटने काटने के आदेश भी जारी किये।

डी.एम मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों से निरस्त व निलंबित पड़ी राशन की दुकानों के स्थान पर नई दुकाने आवंटित करने के संबंध में भी निर्देश दिये। डीएम ने बिभागीय अधिकारियों से नगर पालिका के ग्राम तुख्मापुर में बने कूड़ा निस्तारण केंद्र को भी शीघ्र शुरू करने का निर्देश दिये डीएम ने पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता को कांवड़ यात्रा मार्गों को शीघ्र ठीक कराये जाने के भी निर्देश दिये।

तहसील समाधान दिवस में मुख्य चिकित्साधिकारी , मुख्य पशुचिकित्साधिकारी ,एसडीएम शैलेंद्र सिंह ,तहसीलदार अवनीश त्यागी ,सीओ संग्राम सिंह , बीडीओ ऋषि पाल सिंह , खंड शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह , एसडीओ विधुत रामकेश सिंह व समस्त विभागों के अधिकारियों सहित सर्किल के सभी थानों के थाना प्रभारी मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

संत रविदास के मार्ग पर चलने का कांग्रेसियों ने लिया संकल्प

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अध्यक्षता में संत रविदास की जयंती पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संत रविदास ने समाज को सच्चाई का संदेश दिया है। उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

रविवार को कांग्रेस जिला कार्यालय में संत रविदास की जयंती पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने कांग्रेसियों से कहा कि संत रविदास के बताये मार्ग पर चलकर कांग्रेसी एकजुटता व सामाजिक समरसता तथा भाईचारे का संदेश देने का काम करें। संत रविदास के संदेश को सभी कांग्रेसी आगे बढायें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी नफरत को हराने को भाईचारा का संदेश लेकर भारत जोडो यात्रा के माध्यम से आम जनता को संदेश दे रहे हैं। सभी लोग एकजुट होकर देश में बैठी तानाशाह सरकार को बेनकाब करने को गांव-गांव जाकर राहुल गांधी का संदेश सुनायें।

इस मौके पर कांग्रेस नेता गज्जू प्रसाद फौजी, अवधेश करवरिया, रंजना बरातीलाल पाण्डेय, शिवगुलाम वर्मा, विजयमणि त्रिपाठी, सुरेश यादव, ओमप्रकाश गुप्ता, हरीओम पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

घरों की छत से सडक पर न फेंके कूडा: राकेश

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कामदगिरि स्वच्छता समिति के 55वें अभियान के तहत कामतानाथ परिक्रमा मार्ग में सफाई अभियान चला। समिति के अध्यक्ष/ब्रांड एम्बेसडर राकेश केशरवानी ने नगर की जनता से अपील किया कि घरों की छत से मकान के बाहर सडक में कचरा न फेंके।

रविवार को स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयक शिवा कुमार ने कहा कि नगर को स्वच्छ-सुन्दर बनाने में सहयोग करें। अभियान में कृष्णा शुक्ला, राजेन्द्र त्रिपाठी, शुभम केशरवानी, दीपक द्विवेदी, विवेक केशरवानी आदि ने सहयोग किया। जिलाधिकारी के आदेश पर डोर-टू-डोर अभियान परिक्रमा मार्ग में चलाया गया। सभी मकान व दुकानों से कूडा अलग करने का आग्रह किया। नगर पालिका की गाडियों में गीला व सूखा कूडा अलग-अलग करके दें।

नगर पालिका ने संयुक्त रुप से कामदगिरि परिक्रमा मार्ग में सफाई अभियान चलाया। अभियान में ईओ लालजी यादव, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक कमलाकान्त शुक्ला, कर निरीक्षक राहुल पाण्डेय, वरिष्ठ लिपिक कर्मोत्तम सिंह, लिपिक राजेन्द्र राम व नगर पालिका के सफाई नायक आदि शामिल रहे।

डेढ वर्षीय बालक पाकर परिजनों ने पुलिस को कहा धन्यवाद

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृन्दा शुक्ला के निर्देश पर आपरेशन मुस्कान के तहत चैकी प्रभारी परिक्रमा मार्ग ने परिक्रमा में परिजनों से बिछडे डेढ वर्षीय बालक रचित को परिजनों के सुपुर्द किया। परिजनों ने पुलिस के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। रविवार को चैकी प्रभारी अपरान्ह दो बजे परिक्रमा मार्ग पर भ्रमण में थे। उन्हें चैकी के पास डेढ वर्षीय बालक रचित मिला। जो परिजनों का नाम-पता नहीं बता पा रहा था। चैकी प्रभारी हरिश्चन्द्र मिश्रा की टीम ने सीसीटीवी फुटेज से बालक रचित के परिजनों की पहचान की। पुलिस टीम ने परिजनों को खोजकर कामदगिरि मुख्य द्वार से पहले बालक को परिजनों को सौंपा। कोतवाली कर्वी के रानीपुर भट्ट के बसंतलाल परिजनों के साथ परिक्रमा लगा रहे थे। बालक बिछडने की उन्हें जानकारी नहीं हो पाई। परिजनों ने पुलिस के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है। पुलिस टीम में चैकी प्रभारी हरिश्चन्द्र मिश्रा, दीवान शिवकरन,

नेपाल में भारतीय नागरिक की हत्या के आरोप में दंपति गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के गुल्मी जिले में एक भारतीय नागरिक की हत्या में शामिल होने के आरोप में एक दंपति को गिरफ्तार किया गया है। गुल्मी जिले के पुलिस अधीक्षक अर्जुन राणाभट्ट ने पत्रकारों को बताया कि जिले के सत्यवती नगरपालिका निवासी छविलाल और उनकी पत्नी विष्णु अधिकारी ने मिलकर भारतीय नागरिक शेख अलीनाम की हत्या की बात कबूल की है। बयान के क्रम में छविलाल ने पुलिस को बताया कि मादक पदार्थ का सेवन कर

अलीनाम कई बार उसकी पत्नी के साथ छेड़खानी करता और अश्लील हरकत करने की कोशिश करता, जिसके कारण दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस अधीक्षक राणाभट्ट के मुताबिक 26 जनवरी को ही शेख अलीनाम की हत्या कर दी गई थी, लेकिन उसका शव 2 फरवरी को नदी के किनारे से बरामद किया गया। घटना की जांच के बाद 3 फरवरी को शक के आधार पर छविलाल और उसकी पत्नी से पूछताछ शुरू की गई और उनके बयान के बाद दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक में संदिग्ध हमलावरों के मकानों को घेरा

वेस्ट बैंक। इजराइली सेना ने फलस्तीनी शहर जेरिचो के पास एक शरणार्थी शिविर पर छापा मारा, फलस्तीनी हमलावरों के लिए पनाह के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे मकानों को घेर लिया और गोलीबारी करने वाले निवासियों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस कार्रवाई में छह फलस्तीनी घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सेना ने बताया कि उसने इजराइल की एक बस्ती के पास पिछले

सप्ताह हुए हमले में शामिल संदिग्धों की तलाश के लिए वेस्ट बैंक में जेरिचो के अकाबात जब्र शरणार्थी शिविर में छापा मारा।सेना ने कहा, 'कई फलस्तीनी गोलीबारी करने के बाद अपने परिवार की मदद से अपने घरों में छिप गए और वे भविष्य में हमले करने की योजना बना रहे थे। इन भगोड़े आरोपियों को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने के वास्ते सेना का एक बुलडोजर एक मकान की दीवार पर चढ़ गया।÷ सेना ने बताया कि संदिग्ध और परिवार के सदस्य एक मकान से बाहर निकले तथा आत्मसमर्पण कर दिया। उसने कहा कि फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों ने सैनिकों पर पथराव किया, जबकि कुछ बंदूकधारियों ने गोली चलाई। इजराइली सेना ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें छह फलस्तीनी घायल हो गए।

दो देशों में जंग के बीच इंसानियत की तस्वीरः रूस-यूक्रेन के 17,500 लोगों ने इंडोनेशिया के बाली में बनाया शांति ग्राम, साथ रहते हैं

वेस्ट बैंक। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को एक साल पूरे होने को है। इस युद्ध में यूक्रेन तबाह हो गया और दुनिया महंगाई की चपेट में आ गई। बड़ी संख्या में यूक्रेन के लोगों को देश छोड़ना पड़ा और रूस के करीब 2 लाख सैनिकों की जान चली गई। इसी बीच रूस और यूक्रेन की सीमाओं से करीब 10 हजार किलोमीटर दूर इंडोनेशिया के बाली में 14,500 रूसी और 3000 यूक्रेनियन नागरिकों ने शांति ग्राम बसाया है।

युद्ध शुरू होने के बाद से इन लोगों ने अपने-अपने देश को छोड़ कर बाली में बसना शुरू किया। यहां ये लोग साथ रहते हैं। आमतौर पर एक-दूसरे से युद्ध की बात नहीं करते। यहां से कंपनियां चला रहे हैं। मल्टीनेशनल कंपनियों में काम कर रहे हैं। यूक्रेनी तो युद्ध खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ज्यादातर रूसी वापस अपने देश लौटना नहीं चाहते। इन्हें ये द्वीप भा गया है।

पार्क उबुद में साथ रहते हैं रूस-यूक्रेन के लोग

बाली द्वीप में जहां इन्होंने अपनी बस्ती बसाई है, उसका नाम है पार्क उबुद। यहां रूस की तरह ही आधुनिकतम सुविधाएं मौजूद हैं। रेस्त्रां में रूसी शेफ हैं, जो रूसी और यूक्रेनी डिश बनाते हैं। यहां वाई-फाई युक्त लाइब्रेरी, प्लेग्राउंड, स्वीमिंग पूल, बार-क्लब के साथ-साथ बान्या भी हैं। बान्या भाप वाले छोटे कमरे होते हैं, जो रूस और यूक्रेन में लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं।

पोखरा विमान हादसे के बाद भारतीय पर्यटकों की कमी से पर्यटन उद्योग धराशायी

पोखरा (नेपाल)। पिछले माह 15 जनवरी को हुए विमान हादसे के बाद पोखरा में पर्यटन उद्योग धराशायी है। यहां पीक सीजन दिसम्बर से मार्च तक माना जाता है। 15 जनवरी से पहले यहां के सभी होटल बुक थे। हादसे के बाद 90 प्रतिशत बुकिंग रद्द हो चुकी है। काठमांडू-पोखरा फ्लाइट खाली जा रही है। सड़कों पर इक्का-दुक्का वाहन ही दिखाई दे रहे हैं। पोखरा में पर्यटन और होटल व्यवसायियों के सम्मेलन में इस हालात पर चिंता जताई गई। गण्डकी प्रदेश के मुख्यमंत्री के सामने पर्यटन और होटल व्यवसायी संघ ने अपना दुखड़ा रोया। संघ ने भारतीय पर्यटकों की कमी पर सबसे अधिक चिंता

जताई। संघ ने कहा कि भारतीय पर्यटकों का विश्वास जीतने पर ही पोखरा के पर्यटन व्यवसाय को जिंदा रखा जा सकता है। पोखरा पर्यटन परिषद के अध्यक्ष ओम नारायण श्रेष्ठ ने कहा इस स्थिति के लिए मीडिया भी जिम्मेदार है। हादसे की स्थिति को भयावह दिखाने से पर्यटकों के दिल में डर घर कर गया है। होटल एसोसिएशन पोखरा के अध्यक्ष लक्ष्मण सुवेदी ने कोरोना के कारण दो साल तक पर्यटन व्यवसाय बिलकुल ठप रहा। अब स्थिति पटरी पर आई थी। एक हादसे से सब चौपट हो गया।

एयर लाइंस कंपनी के प्रतिनिधियों ने कहा दुर्घटना से पहले काठमांडू-पोखरा के लिए रोज 50 से अधिक उडानें होती थी। अब यह आंकड़ा 15-20 के बीच है। यात्री कम होने पर दो विमानों के यात्रियों को एक में मर्ज करके भेजा जा रहा है। सम्मेलन में पहुंचे प्रतिनिधियों ने गण्डकी प्रदेश के मुख्यमंत्री खगराज अधिकारी से आग्रह किया कि भारतीय पर्यटकों का भरोसा जीतने के लिए भारत के अलग अलग प्रदेशों के मुख्यंत्रियों को पोखरा का भ्रमण करवाया जाए। अधिकारी ने कहा वह खुद भारत के राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित करेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री पुष्प कमल से आग्रह करेंगे। सम्मेलन में इस बात पर चिंता जताई गई कि चीन ने कर्ज देकर पोखरा में अन्तरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तो बनवा दिया लेकिन इस वर्ष अपने नागरिकों के विदेश भ्रमण की सूची से नेपाल को हटा दिया।

एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स मार्च में लॉन्च कर सकती है स्टारशिप रॉकेट

वाशिंगटन। दुनिया के सबसे धनवान लोगों में से एक एलन मस्क की कंपनी स्पेस एक्स अपने महत्वाकांक्षी स्टारशिप रॉकेट को मार्च आखिर तक लॉन्च कर सकती है। मस्क ने एक ट्वीट में ऐसे संकेत दिए हैं।

ट्विटर पर एक यूजर के स्टारशिप के सवाल पर मस्क ने कहा-'अगर बाकी परीक्षण अच्छे रहे, तो स्पेस एक्स एक स्टारशिप को अगले महीने लॉन्च करने की कोशिश करेगी।' इससे पहले, जनवरी में मस्क ने इसको फरवरी आखिर तक लॉन्च करने की संभावना जताई थी। स्पेस एक्स स्टारशिप की सफल लॉचिंग के बाद मंगल और चंद्रमा तक पहुंचने के लक्ष्य को पाना चाहती है। दो साल पहले मार्च 2021 में स्टारशिप के एक प्रोटोटाइप ने धरती पर सफल लैंडिंग की थी। हालांकि कुछ देर बाद इसमें जबरदस्त धमाका हुआ और वह आग के गोले में तब्दील हो गया

था। एलन मस्क आम आदमी को अंतरिक्ष की सैर कराना चाहते हैं। वह हर किसी के आसमान को छूने के सपने को पूरा करना चाहते हैं। इस युवा उद्यमी की अंतरिक्ष कंपनी स्पेस एक्स चांद-सितारों की सैर (स्पेस टूरिज्म) पर काम कर रही है। अगर मस्क इस योजना में सफल हो जाते हैं तो आम आदमी भी अंतरिक्ष पर जा सकेंगे पर इसके लिए उन्हें मोटी रकम खर्च करनी पड़ सकती है।

एलन मस्क जिद और जुनून और जज्बे से इस महत्वाकांक्षी योजना को हर हाल में पूरा कर यह साबित करना चाहते हैं कि अब अंतरिक्ष उनकी मुट्ठी में है। मस्क की जिद है कि यह ऐसा रॉकेट हो जो हवाई जहाज या अन्य वाहनों की तरह बार-बार उपयोग में लिया जा सके। जिससे रॉकेट का खर्च बचने से यात्रा सुलभ और सस्ती हो सके। अभी तक जो रॉकेट उपलब्ध हैं उनका एक ही बार उपयोग किया जा सकता है। इस वहज से अंतरिक्ष स्टेशन तक आने-जाने में बड़ा खर्च आता है। स्पेस एक्स के स्टारशिप रॉकेट के मल्टीटाइम यूजेबल बनने के बाद भविष्य में मनुष्य को पृथ्वी जैसी सुगमता वाले अन्य ग्रहों पर बसाने की योजना साकार हो सकेगी। मस्क वैसे भी मंगल ग्रह पर मानव बस्ती बसाने की परियोजना पर काम कर रहे हैं। भी शुरू कर रखी है। वे इसकी संभावनाओं को तलाश रहे हैं। स्पेस एक्स 2012 से लगातार स्टारशिप रॉकेट, इसके बूस्टर इंजन, स्टारशिप कार्गो, यात्री रॉकेट विकसित करने पर काम रही है।

जेलेंस्की ने रूस समर्थक यूक्रेनी नेताओं की नागरिकता रद की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रात रूस समर्थक कई प्रभावशाली नेताओं ने नागरिकता रद कर दी। जेलेंस्की ने नामों का खुलासा नहीं किया है। राष्ट्रपति ने वीडियो संबोधन में कहा कि राष्ट्र को

हमलावरों से बचाने के लिए एक और कदम उठाते हुए प्रासंगिक दस्तावेजों पर दस्तखत किए। इसमें कई पूर्व नेताओं की नागरिकता रद करने के दस्तावेज भी शामिल हैं। इन माननीय नागरिकों के पास रूस और यूक्रेन की दोहरी सदस्यता थी। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पिछले एक साल से रूस के हमलों का सामना कर रहा है।

बाइडन ने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने का संकेत दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की एक बैठक में रात राष्ट्रपति के रूप में दूसरे कार्यकाल के लिए उम्मीदवारी पेश करने का संकेत दिया। बैठक में डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने ''चार और साल'' के नारे लगाए। बहरहाल, अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है। बाइडन ने 'डेमोक्रेटिक नेशनल कमिटी' से दावा किया कि उनके प्रशासन ने एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उनके प्रशासन ने जन कार्यों, स्वास्थ्य देखभाल तथा हरित प्रौद्योगिकी में देश के प्रमुख संघीय निवेश किए।उन्होंने रिपब्लिकन चरमपंथ की आलोचना की। उन्होंने पार्टी के सैकड़ों नेताओं के 'चार और साल' के नारों के बीच पूछा, ''मैं एक सीधा-सादा सवाल पूछता हूं। क्या आप मेरे साथ हैं?'' बाद में राष्ट्रपति ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, ''अमेरिका अपने

रंग में लौट आया है और हम एक बार फिर दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं।''बाइडन का फिर से चुनाव लड़ने का संकेत देना खासतौर से ऐसे वक्त में महत्वपूर्ण है जब गोपनीय दस्तावेजों से जुड़ी जांच को लेकर उन पर दबाव बढ़ रहा है। इससे पहले, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने गर्भपात अधिकारों के मुद्दे पर रिपब्लिकन पार्टी के कड़े विरोध समेत विभिन्न मामलों को लेकर उस पर निशाना साधा। बाइडन और हैरिस ने शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में एक जल शोधन संयंत्र का भी दौरा किया। अगले सप्ताह होने वाले 'स्टेट ऑफ यूनियन' भाषण से पहले बाइडन ने राजनीतिक एकता का आह्वान किया।

इमरान खान ने समर्थकों से 'जेल भरो' आंदोलन के लिए तैयार रहने को कहा

वाशिंगटन। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान ने अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को पार्टी नेताओं को संघीय सरकार के खिलाफ 'जेल भरो तहरीक' के वास्ते तैयार रहने का निर्देश दिया।

खान ने पार्टी नेताओं को हिरासत में यातना दिए जाने और नए सिरे से आम चुनाव कराने की घोषणा में देरी को लेकर संघीय सरकार के खिलाफ यह आंदोलन चलाने की घोषणा की है। पूर्व प्रधानमंत्री ने ये आह्वान जमान पार्क स्थित आवास से अपने टेलीविजन संबोधन के दौरान किया।खान का यह बयान पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष फवाद चौधरी और नेशनल असेंबली की पूर्व सदस्य शंदना गुलजार के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। खान ने कहा, ''मैं लोगों से तैयार होने और 'जेल भरो तहरीक' के लिए

मेरे आह्वान का इंतजार करने के लिए कहता हूं। पाकिस्तानी जेलों में उन सभी को रखने के लिए इतनी जगह नहीं होगी।'' उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान में उनके आकाओं को लगता है कि ''हम उत्पीड़न और हिरासत में यातना से भयभीत होंगे, तो वे पूरी तरह से गलतफहमी में हैं।

भारत-नेपाल ऊर्जा सचिव स्तरीय बैठक 16-17 फरवरी को नई दिल्ली में

काठमांडू। भारत की राजधानी नई दिल्ली में 16-17 फरवरी को आयोजित होने वाली दसवीं ऊर्जा सचिव स्तरीय संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) की बैठक में दोनों देशों के बीच बिजली व्यापार और ट्रांसमिशन लाइन संरचनाओं पर बातचीत को मुख्य एजेंडे में रखा गया है। भारत की तरफ से ऊर्जा सचिव आलोक कुमार और नेपाल की तरफ से संयुक्त सचिव और सचिव स्तर की बैठकों के लिए दो प्रकार के कमेटी)। दोनों देशों के बीच होने वाले विद्युत प्रणाली संचालन,

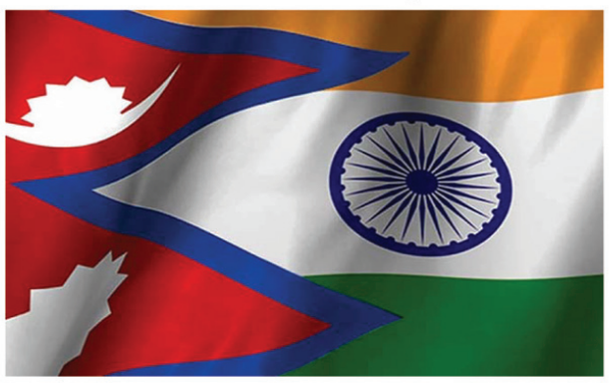

तकनीकी संयंत्र स्थापित किए गए हैं। एक जेटीटी और दूसरा जेओसी (ज्वाइंट ऑपरेशन विद्युत प्रवाह की अवस्था, ग्रिड लाइन के अनुशासन जैसे विषयों पर जेओसी काम करती है जबकि प्रसारण संबंधित योजनाओं के निर्माण का काम जेटीटी देखती है। इस बार की बैठक में विद्युत प्रसारण लाइन, विद्युत आयात-निर्यात यानी दोनों देशों के बीच होने वाले विद्युत व्यापार को लेकर चर्चा किए जाने की जानकारी नेपाल सरकार के ऊर्जा सचिव दिनेश घिमिरे ने दी है। घिमिरे के मुताबिक टनकपुर-महेन्द्रनगर 220 केवी प्रसारण लाइन की क्षमता बढ़ाने, मुजफ्फरपुर-ढल्केवर 400 केवी विद्युत प्रसारण ट्रांसमिशन लाइन की क्षमता बढ़ाने, नानपारा-नेपालगंज 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण करने को लेकर इस बैठक में चर्चा की जाएगी।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का निधन, पाक मीडिया के हवाले से खबर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री परवेज मुशर्रफ का निधन हो गया है। पाकिस्तान मीडिया ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी है। परवेज मुशर्रफ लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनका दुबई के अस्पताल में इलाज चल रहा था। परवेज मुशर्रफ को दिल और उम्र संबंधित कई बीमारियां थी। परवेज मुशर्रफ के कारण ही वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध की शुरुआत हुई थी। वर्ष 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बिना बताए ही उन्होंने युद्ध की शुरुआत की थी। मुशरर्फ ने नवाज शरीफ को अंधेरे में रखते हुए इस युद्ध का आगाज किया था, जिसका अंजाम पाकिस्तान की हार से हुआ था।

इसके बाद सेना अध्यक्ष के पद पर रहते हुए उन्होंने तख्तापलट कर पाकिस्तान में मार्शल लॉ भी घोषित किया था। बता दें कि परवेज मुशर्रफ ने वर्ष 1999 में उस वक्त सैन्य तख्तापलट किया जब नवाज शरीफ श्रीलंका में थे। बाद में उन्होंने खुद को पाकिस्तान का राष्ट्रपति घोषित कर दिया था। इस घटना को परवेज मुशर्रफ ने 12 अक्टूबर

1999 को अंजाम दिया था। बता दें कि ये एक रक्त विहीन क्रांति थी जिसमें परवेज मुशर्रफ के कहने पर नवाज शरीफ पर कई गंभीर आरोप लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। नवाज शरीफ पर परवेज मुशरर्फ के विमान का अपहरण करने और आतंकवाद फैलाने का आरोप लगा था। इसके बाद उनके परिवार के 40 सदस्यों को सऊदी अरब भेजा गया था। बता दें कि नवाज शरीफ ने आम चुनावों में जीत दर्ज की थी जिसके बाद वो लोकतांत्रिक तरीके से प्रधानमंत्री बने थे। बता दें कि नवाज शरीफ ने जनरल परवेज मुशर्रफ को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बनाया था।

दिल्ली में हुआ था जन्म

जानकारी के मुताबिक परवेज मुशर्रफ का जन्म दिल्ली के दरियागंज में 11 अगस्त 1943 को हुआ था। वर्ष 1947 में उनका परिवार विभाजन के समय पाकिस्तान चला गया। उनके पिता सईद ने नए पाकिस्तान सरकार के विदेश मंत्रालय में काम किया था।

मुशर्रफ को मिली थी फांसी की सजा

जानकारी के मुताबिक परवेज मुशर्रफ को पाकिस्तान में फांसी की सजा सुनाई गई थी। पाकिस्तान के इतिहास में ये पहला मौका था जब किसी व्यक्ति को ऐसी सजा सुनाई गई हो। हालांकि वर्ष 2016 से मुशर्रफ दुबई में रह रहे थे, ऐसे में उन्हें फांसी नहीं हुई थी।

आरबीआई की एमपीसी बैठक 6 फरवरी से, रेपो दर में 0.25 फीसदी इजाफा संभव

नई दिल्ली/मुंबई,। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की 3 दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक सोमवार, 6 फरवरी से शुरू होगी। रिजर्व बैंक की नीतिगत ब्याज दर निर्धारण करने वाली एमपीसी की समीक्षा बैठक का निर्णय 8 फरवरी को आएगा। रिजर्व बैंक रेपो दर में एक बार फिर 0.25 फीसदी तक की वृद्धि कर सकता है। एमपीसी की बैठक हर दो महीने में होती है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक अपने नीतिगत ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर आने वाले दिनों में कुछ हद तक उदार रूख अपना सकता है। खुदरा महंगाई दर में नरमी के संकेत और फेडरल रिजर्व के प्रमुख ब्याज दरों की बढ़ोतरी की गति धीमा करने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं। विश्लेषकों का मानना है कि आरबीआई द्विमासिक एमपीसी की बैठक में रेपो दर में 0.25 फीसदी की मामूली इजाफा कर सकता है। जानकारों की माने तो इसके बाद पूरे साल नीतिगत ब्याज दर बढ़ोतरी का अनुमान नहीं है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास एमपीसी की द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद 8 फरवरी को नीतिगत ब्याज दर में बढ़ोतरी का ऐलान कर सकते हैं। आरबीआई ने पिछले साल मई से दिसंबर तक महंगाई दर को नियंत्रित करने के लिए रेपो दर में अभी तक 2.25 फीसदी की बढ़ोतरी की है। दरअसल रिजर्व बैंक को रेपो दर में यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधान की वजह से करनी पड़ी। आरबीआई ने नीतिगत ब्याज दर में पिछले साल मई से अभी तक पांच बार बढ़ोतरी कर चुका है। रिजर्व बैंक ने बीते साल दिसंबर महीने में नीतिगत ब्याज दर रेपो दर में 0.35 फीसदी का इजाफा किया था। केंद्रीय बैंक ने इससे पहले तीन बार रेपो दर 0.50 फीसदी तक बढ़ाई थी। चालू वित्त वर्ष की पहली एमपीसी बैठक अप्रैल में हुई थी, जिसमें आरबीआई ने रेपो दर को 4 फीसदी पर स्थिर रखा था, लेकिन 2 और 3 मई को आपात बैठक बुलाकर रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 0.40 फीसदी का इजाफा किया था। इस तरह रेपो दर 4 फीसदी से बढ़कर 6.25 फीसदी पर पहुंचा गया है।

उल्लेखनीय है कि रेपो दर में बढ़ोतरी से बैंकों के लिए आरबीआई से पैसा लेना महंगा हो जाता है। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ता है। रेपो दर में इजाफे के बाद बैंक भी ग्राहकों के लिए कर्ज महंगा कर देते हैं। फिलहाल होम लोन की ब्याज दरें 8.50 फीसदी से ऊपर है। जानकारों का कहना है कि एक बार फिर नीतिगत ब्याज दर बढ़ने से होम लोन और महंगा होने की आशंका है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।